CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-93
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

शिक्षक और रास्ता दोनों एक जैसे होते हैं..
खुद जहाँ हैं वहीं पर रहते हैं मगर दूसरों को..
उनकी मंज़िल तक पहुंचा देते हैं..

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर सोमवार, 08 जुलाई 2024

सीएम मोहन यादव आज करेंगे अपनी कैबिनेट विस्तार

कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए रामनिवास रावत बन सकते हैं मंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को अपनी कैबिनेट का विस्तार करेंगे। राजभवन में रविवार को शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारियां शुरू कर दी गईं। आधिकारिक सूत्रों मिली जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह सुबह होने की संभावना है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने मंत्रियों की शपथ होगी। लेकिन एक नाम की खूब चर्चा चल रही है। यह नाम है रामनिवास रावत का। रावत वर्तमान में श्योपुर जिले के विजयपुर से विधायक हैं। वे लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। वे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट से विधायक बने हैं। लिहाजा तकनीकी आधार पर वर्तमान में कांग्रेस के विधायक हैं। सूत्रों का कहना है कि रावत मंत्री बनाए जाने की शर्त पर ही कांग्रेस से भाजपा में आए थे। इसलिए उन्होंने अब तक विधायक पद से त्यागपत्र भी नहीं दिया है। एक या दो नेताओं को और मंत्री बनाए जाने की अटकलें हैं।

श्योपुर की विजयपुर सीट से 6 बार के विधायक रामनिवास रावत ने 30 अप्रैल 2024 को कांग्रेस छोड़ी थी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और बीजेपी जॉइनिंग टोली के मुखिया नरोत्तम मिश्रा की मौजूदगी में श्योपुर के एक कार्यक्रम में बीजेपी की सदस्यता ली थी। वहीं, छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा से विधायक रहे कमलेश शाह ने 29 मार्च 2024 को विधायक पद से इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन की थी। वहीं बीना से विधायक निर्मला सप्रे भी भाजपा में शामिल हुई थीं।

भाजपा में शामिल होने के बाद भी रावत और सप्रे ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। इसको लेकर कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष से भी शिकायत की है। अब भाजपा रावत को मंत्री बनाकर इनाम दे सकती है।

जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों को भी साधा जाएगा रावत कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक होने के साथ ही ग्वालियर-चंबल में अच्छा प्रभाव रखते हैं। कैबिनेट विस्तार में जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों को भी साधा जाएगा। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 29 की 29 सीटें जीती हैं। इसमें सबसे बड़ी जीत छिंदवाड़ा की लोकसभा सीट है, जिसे कमलनाथ का गढ़ माना जाता था। छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह ने लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा ज्वाइन करने के बाद कमलनाथ को बड़ा झटका दिया था। इस सीट पर लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी लीड मिली थी। अब भाजपा कमलेश शाह को मंत्री बनाकर ईनाम दे सकती है।

केंद्रीय नेताओं से हुई थी चर्चा पिछले दिनों ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दिग्गज नेताओं से दिल्ली में मुलाकात की थी। जिसमें उनके कैबिनेट विस्तार को लेकर चर्चा होने की बात कही जा रही है। पार्टी लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विधायक को भी इनाम दे सकती है। रामनिवास रावत के भाजपा में आने से ग्वालियर-चंबल में पार्टी को मजबूती मिली है। यही वजह है कि प्रदेश से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक रामनिवास रावत के नाम पर पहले ही स्वीकृति दे चुका है। राज्यपाल को इसकी सूचना देने के बाद राजभवन में शपथ समारोह की तैयारी की गई है। रामनिवास रावत के अलावा दो और लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर विचार-विमर्श हो रहा है।

अधिकतम 35 मंत्री हो सकते हैं राज्य विधानसभा में कुल 230 सीट हैं। इस लिहाज से मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की अधिकतम संख्या 35 हो सकती है। वर्तमान में मुख्यमंत्री समेत कुल मंत्रियों की संख्या 31 है। इस तरह से कुल चार पद रिक्त हैं। हालांकि कोई भी सरकार रणनीतिक तौर पर मंत्रिपरिषद में कुछ पद रिक्त रखती है।

कमलेश शाह की सीट अमरवाड़ा में 10 जुलाई को मतदान कमलनाथ के खास रहे कमलेश शाह ने बीजेपी जॉइन करने के साथ ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के चलते अमरवाड़ा विधानसभा का उपचुनाव भी हो रहा है। इसके लिए 10 जुलाई को मतदान और 13 जुलाई को मतगणना होगी। इस सीट से कांग्रेस ने धीरन शाह इनवाती को प्रत्याशी

बनाया है। धीरन शाह आंचलकुंड दरबार के सेवक सुखराम दादा के बेटे हैं। वहीं, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने यहां से अपने युवा चेहरे देवीराम उर्फ देव रावेन भलावी पर फिर दांव लगाया है। अमरवाड़ा आदिवासी बहुल सीट है। यहां आदिवासियों का हर्रई राजघराना, गोंगपा और आंचल कुंडधाम तीनों से जुड़ाव है। ऐसे में ये चुनाव दिलचस्प हो गया है।

कांग्रेस ने की विधानसभा सदस्यता खत्म करने की मांग कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के पास रावत और बीना विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म करने के लिए पिटीशन लगाई है। अब 3 महीने के अंदर विधानसभा अध्यक्ष तोमर को इनकी सदस्यता के मामले में फैसला लेना होगा। शुक्रवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों के दल ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस का विधायक होने के बावजूद बीजेपी जॉइन करने का ऐलान करने और चुनावी सभा में बीजेपी के मंच पर कांग्रेस छोड़ने की बात कहने वाले विधायकों की सदस्यता खत्म करने संबंधी पिटीशन उनके समक्ष दायर करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस पिटीशन के बाद अब रावत और सप्रे की सदस्यता खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में या तो ये दोनों ही विधायक कांग्रेस विधायक पद से जल्द इस्तीफा देंगे या फिर विधानसभा अध्यक्ष इनकी सदस्यता खत्म करने का फैसला लेंगे।

मध्यप्रदेश के सरकारी कॉलेजों में ड्रेस कोड

छात्राएं सलवार-कुर्ता और छात्र पेंट-शर्ट पहनकर ही जा सकेंगे कॉलेज

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी कॉलेजों में अब छात्र-छात्राएं जींस-टीशर्ट पहनकर नहीं जा सकेंगे। स्टूडेंट्स को अब सिर्फ यूनीफॉर्म में ही कॉलेज जाना होगा। प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने इसी सत्र से सरकारी कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू करने का फैसला किया है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज प्रबंधन को यूनिफॉर्म चयन की जिम्मेदारी दी है। ड्रेस कोड के तहत छात्र पेंट-शर्ट और छात्राएं सलवार-कुर्ता पहनकर आएंगे। शिक्षा विभाग का कहना है कि कॉलेज में यूनिफॉर्म होने से छात्र-छात्राओं के बीच एकरूपता और समानता की भावना पैदा होगी। वहीं गरीब-अमीर और धर्म जाति का भेद नहीं रहेगा। साथ ही छात्रों के दिमाग में शिक्षा के प्रति ज्यादा रुचि पैदा होगी।

बाहरी युवाओं की होगी पहचान

ड्रेस कोड लागू करने के पीछे विभाग की यह भी मंशा है कि अभी सरकारी कॉलेज में आवारा आसामाजिक तत्व भी आ जाते हैं, जिन्हें पहचान पाना मुश्किल हो

जाता है, लेकिन ड्रेस कोड लागू होने के बाद बाहरी व्यक्तियों की पहचान आसानी से हो सकेगी। उच्च शिक्षा विभाग ने यूनिफॉर्म चयन की जिम्मेदारी कॉलेज प्रबंधन को ही सौंपी है।सरकारी कॉलेजों की यूनिफॉर्म एक जैसी न होकर अलग-अलग हो, इसके लिए विभाग ने यूनिफॉर्म का रंग तय करने का फैसला जनभागीदारी समिति और कॉलेज प्रबंधन पर छोड़ दिया है। दोनों मिलकर यूनिफॉर्म का रंग तय करेंगे।

यह कहना है उच्च शिक्षा मंत्री का ड्रेस कोड लागू करने को लेकर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का कहना है कि ड्रेस कोड लागू करने पर विचार किया गया है। यूनिफॉर्म में छात्र-छात्राओं में समानता की भावना पैदा होती है। साथ ही कॉलेज में शिक्षा का वातावरण बनता है। इसके साथ ही इंदर सिंह परमार ने प्रदेशभर के मदरसों को लेकर कहा है कि जो मदरसे सरकारी पोर्टल पर दर्ज हैं, वही चलेंगे, जो नहीं है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से चारधाम यात्रा रोकी

देहरादून। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से प्रशासन ने रविवार से चारधाम यात्रा को दो दिन के लिए स्थगित कर दिया है। खराब मौसम का असर देखते हुए चार धाम यात्रा पर रोक लगाई गई है। मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसके मद्देनजर कमिश्नर गढ़वाल ने 8 जुलाई तक यात्रा स्थगित करने की घोषणा की है। वहीं मौसम विभाग की तरफ से बड़ा अपडेट दिया गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तराखंड में अब आफत की बारिश होने वाली है। यहां के 9 जिलों के लिये बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे प्रशासन भी चिंतित है। मौसम के खराब हालात के मद्देनजर चार धाम यात्रा पर भी फिलहाल रोक लगा दी गई है। बता दें, पिछले कुछ दिनों से उत्तराखंड में भीषण बारिश की वजह से सड़कों की हालत खराब है। यहां बारिश में पहाड़ों का मलबा आने से, पेड़ गिरने की वजह से कई सड़कें बंद हैं। जिस कारण प्रशासन ने चारधाम यात्रा को अस्थाई रूप से रोक दिया है। प्रशासन ने सभी श्रध्दालुओं से अपील की है कि वे अभी ऋषिकेश से आगे चारधाम पर न निकलें। प्रशासन ने आगे कहा कि जो ऋषिकेश से आगे चारधाम की यात्रा पर निकल चुके हैं वे भी सतर्क रहें। यात्रा प्रशासन संगठन द्वारा जनहित एवं तीर्थयात्रियों के जान-माल की सुरक्षा हेतु चार धाम यात्रा स्थगित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

खाद्य पदार्थों के पैकेट पर बड़े अक्षरों में देनी होगी नमक, चीनी की जानकारी

नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई खाद्य पदार्थों के पैकेट पर नमक, चीनी और वसा से जुड़ी जानकारी बोल्ड अक्षरों के साथ बड़े फॉन्ट में देने को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है। नियामक ने इस संबंध में लेबलिंग नियमों में बदलाव को मंजूरी दी। अब, इस संशोधन के लिए मसौदा अधिसूचना जारी कर सभी हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां मांगी जाएंगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि पैकेट पर पोषण संबंधी जानकारी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह फैसला एफएसएसएआई के चेयरमैन अपूर्व चंद्राकी अध्यक्षता में लिया गया। नियामक ने कहा, संशोधन का मकसद उपभोक्ताओं को उत्पाद के पोषण मूल्य को अच्छी तरह समझने और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

खाद्य प्राधिकरण की 44वीं बैठक में लिया गया फैसला

खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020 में संशोधन करने का यह फैसला खाद्य प्राधिकरण की 44वीं

बैठक में लिया गया। विनियम 2 (5) और 5(3) खाद्य उत्पाद लेबल पर सर्विंग साइज और पोषण संबंधी जानकारी का उल्लेख करने की आवश्यकताओं को दर्शाते हैं।

भ्रामक दावों को रोकने में मिलेगी मदद पैकेज्ड फूड में बोल्ड और बड़े अक्षरों में इस तरह की जानकारी देने का असल मकसद आम लोगों को भ्रामक दावों से बचाने के रूप में देखा जा रहा है। ताकि आम लोगों हेल्दी ऑप्शन का चयन कर सकें। रेगुलेटर की ओर से समय-समय पर आम लोगों के लिए इस तरह की सलाह जारी करता रहता है, जिसमें ई-कॉमर्स वेबसाइट्स को हेल्थ ड्रिंक शब्द हटाने की सलाह दी गई है। दूसरी ओर फूड बिजनेस ऑपरेटर्स को निर्देश दिया गया है कि फरूट जूस के लेवल और विज्ञापनों से 100 फीसदी फलों के रस जैसे दावे को तत्काल प्रभाव से हटा दें।

लंबे वक्त से की जा रही थी मांग

पिछले कुछ महीनों में पैकेज्ड फूड आइटम्स में नमक और चीनी की मात्रा को लेकर विवाद चल रहा है। लंबे वक्त से यह मांग की जा रही थी कि कंपनियां चीनी, नमक और ट्रांस फैट जैसी जरूरी जानकारियों को बोल्ड अक्षरों में पैकेज्ड फूड आइटम पर दर्ज करें। इससे ग्राहकों को खाद्य पदार्थों की न्यूट्रिशनल वैल्यू के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

जेल में बंद सांसद ने फिर उगला जहर...

जेल में बंद सांसद अमृतपाल ने फिर की खालिस्तान की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में बतौर सांसद शपथ लेने के बाद रविवार को जेल में बंद अलगाववादी अमृतपाल सिंह ने फिर से खालिस्तान की मांग की और कहा कि खालसा राज्य का सपना देखना कोई अपराध नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी टीम की तरफ से जारी एक बयान में, अमृतपाल सिंह ने अपनी मां की हालिया टिप्पणी के बारे में भी बात की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनका बेटा खालिस्तानी समर्थक नहीं था और मांग की थी कि उसे रिहा किया जाए। अमृतपाल ने कहा, जब मुझे 6 जुलाई को मां के दिए गए बयान के बारे में पता चला तो मेरा दिल बहुत दुखी हुआ। मुझे यकीन है कि यह बयान मेरी मां ने अनजाने में दिया था, लेकिन फिर भी मेरे परिवार या मेरा समर्थन करने वाले किसी भी व्यक्ति की ओर से ऐसा बयान नहीं आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि खालसा राज्य का सपना देखना कोई अपराध नहीं है। यह गर्व की बात है। हम उस रास्ते से पीछे हटने का सपने में भी नहीं सोच सकते, जिसके लिए लाखों सिखों ने अपना बलिदान दिया है। पैरोल पर जेल से बाहर आए कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह ने शुक्रवार को संसद भवन के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत दर्ज मामले में असम के डिब्रूगढ़ की जेल में कैद हैं। लोकसभा के एक बुलेटिन में कहा गया है कि अमृतपाल सिंह ने पंजाबी में शपथ ली। सिंह (31) ने हाल ही में जेल में रहते हुए पंजाब के खडूर साहिब से निर्दलीय उम्मदीवार के रूप में लोकसभा चुनाव जीता था।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम मुठभेड़ में 6 आतंकवादी मारे गए, 2 जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई दो मुठभेड़ों में छह आतंकवादी मारे गए और दो जवान शहीद हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए जबकि चिन्नीगाम स्थल से रविवार को चार शव बरामद किए गए। कुलगाम जिले के दो गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पैरा कमांडो समेत दो सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। अभियान के बारे में बताते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादियों का सफाया करना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, निस्संदेह सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह एक बड़ा मील का पत्थर है। ये सफलताएं वास्तविक रूप से और संदेश के लिहाज से भी बहुत सार्थक हैं। स्वैन ने कहा कि अभियान की सफलता इस बात का संकेत है कि जम्मू-कश्मीर में आतंक के खात्मे की लड़ाई अपने अंजाम तक पहुंचेगी।

पुरी में रथ यात्रा के दौरान मची भगदड़, 400 श्रद्धालु घायल

पुरी। पुरी रथ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। प्रभु बलभद्र के रथ खींचे जाने के दौरान एक भक्त की सांस रूक जाने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ को खींचने की प्रक्रिया जैसे ही शुरू हुई। अचानक भक्तों के बीच धक्का-मुक्की होने से भगदड़ की स्थिति बन गई, जिससे 400 से अधिक श्रद्धालु नीचे गिर गए। इस दौरान गिरे श्रद्धालु घायल हो गए। सभी घायल श्रद्धालुओं को अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसमें 50 से अधिक भक्तों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं, अन्य घायल श्रद्धालुओं का इलाज पुरी मुख्य अस्पताल में चल रहा है। मृतक श्रद्धालु ओडिशा के बाहर का होने की खबर सामने आ रही है। हालांकि उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

53 साल बाद इस साल पुरी की रथयात्रा दो दिनों की है। यात्रा का पहला दिन सूर्यास्त के साथ रविवार को पूरा हो गया । जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ रुक गए हैं। अब रात की पूजा और सोमवार सुबह की पूजा रथों पर ही होगी। सोमवार सुबह नियमित पूजा-पाठ के बाद करीब 9 बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, सोमवार सुबह भगवान की मंगला आरती 4 बजे होगी। इसके बाद सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी का भोग-प्रसाद लगाया जाएगा।

दोपहर 2.30 बजे रथ में विराजमान हुए भगवान

रविवार को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा दोपहर 2.30 बजे अपने-अपने रथ में विराजमान हुए। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद ने बताया कि भगवान को आम दिनों से 2 घंटे पहले जगाया गया और मंगला आरती सुबह 4 की बजाय तड़के 2 बजे हुई। मंगला आरती के बाद करीब 2.30 बजे दशावतार पूजन हुआ। 3 बजे नैत्रोत्सव और 4 बजे पुरी के राजा की तरफ से पूजा की गई। सुबह 5.10 बजे सूर्य पूजा और करीब 5.30 बजे द्वारपाल पूजा हुई। सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी भोग-प्रसाद लगाया गया।

सिंगल कॉलम

सुनील शेट्टी रहेंगे दो दिनी इंदौर यात्रा में

08 जुलाई को मीडिया से 09 को करेंगे शो रूम का उदघाटन

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ इंदौर- दुबई के प्रसिद्ध पर परफ्यूम शो रूम उद बाय आईडियल के शुभारम्भ के लिए अभिनेता सुनील शेट्टी दो दिनी यात्रा पर 08 जुलाई को इंदौर आ रहे हैं। इंडिया के बड़े परफ्यूम शो रूम में शुमार उद बाय आईडियल के संचालक जमनादास चाँदवानी ने बताया कि श्री शेट्टी मंगलवार 09 जुलाई को शाम 05 बजे एनएम टावर, 56 दुकान पर शो रूम का उदघाटन करेंगे।श्री शेट्टी सोमवार 08 जुलाई को मीडिया से बातचीत करेंगे और शाम को निजी दावत में शरीक होंगे।

राजाबाड़ा पर ऑटो, ई-रिक्शा और एक साथ 4 से ज्यादा सिटी बसों के खड़े रहने पर प्रतिबंध

राजबाड़ा पर लागू किया जाएगी गो एंड ड्रॉप नीति

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ इंदौर- इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह, एसीपी अरविंद तिवारी और निगमायुक्त शिवम वर्मा ने 8 से ज्यादा चौराहों का निरीक्षण कर तकनीकी समस्याएं देखीं। इंदौर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए अब राजबाड़ा पर गो एंड ड्रॉप नीति को स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। इसका मतलब है कि ऑटो, ई-रिक्शा, मैजिक समेत लोक परिवहन के अन्य वाहन खड़े नहीं रह सकेंगे। सवारी उतारकर इन्हें तत्काल आगे बढ़ना होगा। एआईसीटीएसएल को भी स्पष्ट कर दिया गया है कि राजबाड़ा चौक पर एक बार में 4 से ज्यादा बसें नहीं रुक सकेंगी। पूरी व्यवस्था चलित होने से ट्रैफिक की सुगमता बनी रहेगी। इसके अलावा ई-रिक्शा के लिए स्थायी स्टैंड पुराने एपी ऑफिस और एमजी रोड थाने के पीछे बनाया जाएगा।

अमरीका की पुलिस से तेज है इंदौर की पुलिस..!!!

आधा घंटे में इंदौर पुलिस ने हल कर दी फरियादी की समस्या

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ इंदौर- NRI महिला ऑटो में भूली थी पर्स, आई फ़ोन 15 हज़ार कैश और पासपोर्ट सहित कीमती चीजों से भरा था पर्स आधा घंटे में ऑटो और पर्स ढूंढ लाई इंदौर पुलिस फरियादी Swati Pathak बोली अमरीका की पुलिस से तेज है इंदौर की पुलिस महिला को याद नहीं था ऑटो का नम्बर.

आष्टा पहुंच कर मुनिश्री प्रमाण सागरजी से मिले सांसद शंकर लालवानी

इंदौर। सांसद शंकर लालवानी ने रविवार को इंदौर से आष्टा पहुंच कर मुनि प्रमाण सागर जी से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने इंदौर चातुर्मास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का वादा किया। समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप इंदौर रीजन के वरिष्ठ पदाधिकारी रितेश पाटनी, मुकेश पाटोदी, अर्पित पाटोदी आदि समाजजन ने गुरुदेव के साथ पद विहार किया।

विनम्र सागर जी का 14 को और मुनि प्रमाण सागर जी का 17 को मंगल प्रवेश

इंदौर। इंदौर में इस वर्ष महामहिम संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के दो शिष्यों का चातुर्मास हो रहा है। 14 जुलाई को विनम्र सागर जी महाराज ससंघ की शहर में भव्य अगवानी की जाएगी। इसके लिए सुबह 8 बजे उदय नगर जैन मंदिर से गोयल नगर, तिलक नगर, कनाडिया रोड होते हुए समवशरण मंदिर के लिए मंगल प्रवेश यात्रा निकलेगी। समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने सकल जैन समाजजन, सामाजिक संसद, सोशल ग्रुप फेडरेशन नगर के सभी सोशल ग्रुप सदस्य एवं समस्त संस्थाएं, महिला संगठन, मंडल, पुलक चेतना मंच इस अगवानी जुलूस में शामिल होंगे। 17 जुलाई को प्रातः मुनि प्रमाण सागर जी की अगवानी होगी।

इंदौर में सीएम मोहन यादव और केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने रोपे पौधे

क्लीन सिटी के साथ अब ग्रीन सिटी में भी इंदौर होगा नंबर वन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रविवार को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पौधारोपण किया। यहां उन्होंने पहले देवी अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी के बाद परिसर के अंदर पौधारोपण किया। इस दौरान महापौर, सांसद और भाजपा नेता मौजूद रहे।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि इंदौर धरती पर हरियाली की चादर के लिए तैयार है। इंदौर शहर जो भी करता है अद्भुत करता है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पौधा वृक्ष बने, इसकी सालभर की जवाबदारी लेंगे। उन्होंने कहा कि 51 लाख पौधे लगाकर हम क्लीन इंदौर को ग्रीन कवरेज में भी नंबर एक बनाएंगे। शहर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बिजासन टेकरी स्थित बीएसएफ रेंज पर मातृवन की स्थापना की गई है। जहां एक लाख पौधे रोपे जा रहे हैं। यहां 15 हजार महिलाओं के हाथों पौधारोपण किया जा रहा है। इसलिए इस स्थान का नाम मातृवन रखा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह हमारे लिए बड़ी ही खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में साढ़े 5 करोड़ पौधों का रोपण किया जा रहा है। यह गर्व का विषय है कि इंदौर शहर और पूरे जिले में 51 लाख पौधे लगाए जाने का काम शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पौधारोपण अभियान एक जन अभियान का रूप ले रहा है। इसमें

समाज के हर वर्ग की सक्रिय सहभागिता सामने आ रही है।

दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि आदि काल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां शिप्रा का उद्गम इंदौर से है। 7 नदियों के उद्गम का स्थल इंदौर ही है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी में इंदौर नंबर वन बनेगा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्यप्रदेश को चीते मिले। भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। उन्होंने कहा इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है।

इंदौर में जनभागीदारी से चल रहा अभियान

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संबोधित करते हुए कहा इंदौर के ग्रीन कवरेज को बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा 51 लाख वृक्षों के रोपण के साथ इनके संरक्षण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने बताया विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं द्वारा वृक्षारोपण करते हुए उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली जा रही है। इंदौर में जनभागीदारी के साथ अभियान को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। इंदौर में 5-5 फीट के पेड़ खरीदे गए हैं क्योंकि उनका सर्वाइल रेट 100त्न है। उन्होंने कहा कि 20 से 25 करोड़ के पेड़ इंदौर की जनता ने इंदौर को दिए हैं। यह जनभागीदारी का सबसे बड़ा उदाहरण है।

पूरे देश में 140 करोड़ वृक्ष लगाने का महाअभियान

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। पूरे देश में 140 करोड़ वृक्ष लगाने का महाअभियान चल रहा है। प्रकृति मां के प्रति सम्मान के प्रति हरी भरी धरती देने के संकल्प को पूरा करना हमारा कर्तव्य है। धरती केवल इंसान के लिए नहीं समस्त जीव मात्र के लिए है, इसलिए इस अभियान के माध्यम से देश में एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत प्रत्येक देशवासी से वृक्षारोपण का आह्वान किया गया है। वृक्षारोपण की पहल में म.प्र. का प्रयास सराहनीय है। इंदौरवासियों का क्लीन इंदौर के साथ ग्रीन इंदौर बनाने का अभियान प्रशंसनीय है। स्वागत भाषण मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने दिया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, रमेश मेंदोला, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना मालवीय, कृष्ण मुरारी मोघे, गौरव रणदीवे, चिन्टू वर्मा आदि गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में कमिश्नर दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा, बीएसएफ के आईजी सीएसडब्ल्यूटी बी.एस. रावत, डीआईजी (सहायक प्रशिक्षण केन्द्र) अश्विन कुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

पीएम ने मंत्री विजयवर्गीय को लिखी चिट्ठी =

इंदौर में रिकॉर्ड 51 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चिट्ठी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भेजी है, जिसमें उन्होंने मंत्री विजयवर्गीय को बधाई दी है। हालांकि पीएम की चिट्ठी देख मंत्री विजयवर्गीय को पहले तो विश्वास नहीं हुआ। लगा कि यह बोगस है और उसे क्रॉस चेक करने के लिए उन्होंने पीएम ऑफिस में फोन किया। वहां से जब कंफर्म हो गया तब उन्हें विश्वास हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने चिट्ठी में लिखा है कि इस महाअभियान से क्लीन के साथ ग्रीन इंदौर होने की दिशा में एक बड़ा कदम है। एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील को लोगों का समर्थन मिल रहा है। चिट्ठी के संबंध में मंत्री विजयवर्गीय का कहना है कि यह इंदौर के कार्यकर्ता और शहर के लिए गर्व की बात है। मैंने जब चिट्ठी देखी तो मैं भावुक हो गया। मुझे विश्वास नहीं हुआ। सोचा की किसी ने बोगस लेटर तो नहीं भेज दिया। फिर पीएम ऑफिस फोन किया तो उन्होंने से कंफर्म किया। पत्र की भाषा और जो आत्मीयता है, वह हमारी ऊर्जा बढ़ाएगी।

इंदौर पुलिस को मिली सफलता

अवैध फायर आर्म्स की तस्करी करने वाले फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ

इंदौर, इंदौर पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुवे अवैध फायर आर्म्स की तस्करी करने वाले एक फरार आरोपी सिकलीगर को गिरफ्तार किया हे पुलिस ने उसके कब्जे से पांच अवैध फायर आर्म्स देशी पिस्टल जप्त की हे आरोपी इंदौर में अवैध अहतियार की तस्करी करने के लिए घूम रहा था आरोपी पिछले एक साल से अलगङ्कअलग स्थानो पर छुपकर फरारी काट रहा था....

दरअसल इंदौर क्राईम ब्रांच टीम के काफी समय से फरार इनामी बदमाश सोहन सिंह की तालषा कर रही थी तभी क्राइम ब्रांच की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि, थाना क्राईम ब्रांच इंदौर के अपराध मे फरार आरोपी सोहन सिंह सिकलीगर इंदौर मे अवैध हथियार बेचने की फिराक मे घुम रहा है, सुचना पर क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा काने मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर दबिश देकर फरार आरोपी सोहन

सिंह जिला बडवानी को आई टी पार्क चौराहे के पास सिटी बस स्टाप से गिरफ्तार किया हे पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 05 अवैध देसी पिस्टल जप्त की हे आरोपी सोहन सिंह अवैध देसी पिस्टल को बेचने की फिराक मे इंदौर आया था, आरोपी द्वारा पुछताछ पर बताया गया की वह पुर्व मे भी इंदौर मे कई बार आकर अवैध देसी पिस्टल बेच चुका, जिनके सम्बन्ध में क्राइम ब्रांच टीम आरोपी से पूछताछ कर रही हे आपको बता दे आरोपी पिछले एक साल से फरार चला रहा और पुलिस ने इसपर इनाम भी घोषित कर रखा था

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में सितंबर से शुरू होंगे 6 ऑनलाइन कोर्स

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने 6 नए ऑनलाइन कोर्स तैयार किए हैं। ये मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (मूक्स) के माध्यम से रहअअट पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे, जिसमें फोटोग्राफी, टैक्स और विज्ञापन पर पाठ्यक्रम आधारित है। इनके लिए अगले सप्ताह से पंजीयन शुरू हो चुके हैं। इसमें देशभर के विद्यार्थी आवेदन कर रहे हैं। ऑनलाइन पाठ्यक्रम की कक्षाएं सितंबर से शुरू की जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक ये पाठ्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एंड रिसर्च सेंटर (ईएमआरसी) ने बनाए हैं, जिसमें विषय विशेषज्ञों ने कंटेंट तैयार किया है। बेसिक्स ऑफ फोटोग्राफी, इनकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस, कंप्यूटर फंडामेंटल्स, इंट्रोडक्शन टू एडवरटाइजिंग, सोशियोलाजी आफ किनशिप, बेसिक्स ऑफ डिजिटल मार्केटिंग पाठ्यक्रम बनाए हैं। इन्हें मिलाकर विश्वविद्यालय अभी तक 40 से ज्यादा पाठ्यक्रम बना चुका है।

निशुल्क रजिस्ट्रेशन

ऑनलाइन पाठ्यक्रम के माध्यम से अध्ययन करने वाले इच्छुक विद्यार्थी पोर्टल स्वयं पर जाकर निशुल्क रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अंतिम तिथि 31 अगस्त 2024 है। अधिकारियों के मुताबिक सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए सामान्य वर्ग को 1000 और आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को 500 शुल्क देना होगा।

विद्यार्थियों के लिए काफी ज्यादा उपयोगी

कुलगुरु प्रो. रेणु जैन का कहना है कि विश्वविद्यालय इस राष्ट्रीय स्तर की परियोजना में शामिल होकर एक महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है।

नगर निगम के सभी जोनल अधिकारी एक साथ बदले

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने एक साथ शहर के सभी जोनों में बदलाव कर दिया है। निगमायुक्त ने आदेश जारी कर सभी जोनल अधिकारियों के साथ भवन अधिकारी, भवन निरीक्षकों को भी बदल दिया। साथ में तीन नए जोन भी सूची में जोड़ गए हैं। अब तक नगर सीमा को 19 जोनों में बांट रखा था। ताजा सूची में 22 जोनल अधिकारियों के साथ भवन अधिकारी और भवन निरीक्षकों को पदस्थापना दी गई है। खास बात है कि ताजा सूची में जोनों की जिम्मेदारी नए लोगों को दी गई है। कई पुराने और अनुभवी लोगों को हटाकर लूप लाइन में डाल दिया गया है। अनुभवी और चर्चित जोनल अधिकारियों के पर भी कतर दिए गए हैं। बीते दिनों सवार्नद नगर में एक साथ कई होस्टलों को तोड़ने के कारण चर्चा में आए और पुराने अधिकारी नागेंद्रसिंह भदौरिया से जिम्मेदारी छीन ली गई है। उन्हें न तो जोन की जिम्मेदारी दी गई है न भवन अधिकारी की। इस तरह मनोज जैन, शांतिलाल यादव जैसे पुराने अधिकारियों से भी जोन ले लिया गया है। लगभग आधे जोनों पर नए और युवा चेहरों को बैठा दिया गया है। बीते समय से कार्रवाई से लेकर घोटालों तक के लिए चर्चा में रहा है। करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपये का फर्जी बिल घोटाला सामने आ चुका है। कुछ जोनों पर टैंकर चलाने के विवाद में भी जोनल अधिकारियों और क्षेत्रीय पार्षद व नेताओं के विवादों की खबरें बाहर निकली थी।

इंदौर में चोरों ने एक घर को बनाया निशाना

सोने चांदी के गहने और रुपए लेकर हुए फरार...

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ

इंदौर, मध्य प्रदेश के इंदौर में चोरी की वारदात लगातार सामने आ रही हे एक ऐसा ही मामला इंदौर कनाड़िया थाना क्षेत्र में सामने आया है जहाँ चोरों द्वारा एक घर को निशाना बनाते हुए घर में रखे सोने चाँदी के गहने और रुपये लेकर फ़रार हो गए..

आपको बता दें पूरा मामला इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र के बिचौली हप्सी का है यहां के रहने वाले सोनू ने बताया की वह घर में सो रहे थे तभी उनके कार के हॉर्न बजने की आवाज़ आयी जब वह बाहर आकर देखा तो उनकी कार में आगे दो युवक बैठे हुए थे और सोनू ने जैसे ही आवाज लगाई तो वह फ़रार हो गए सोनू ने अपने भैया के घर में देखा तो बाहर से सब दरवाज़े बंद थे लेकिन ग्रिल कटी हुई थी ऊपर जाकर देखा तो अलमारी में रखे सोने चाँदी के गहने और 1 लाख 90 हज़ार रूपए ग़ायब थे इसके साथ ही वह सोनू की कार भी चोर ले उड़े सोनू ने ष्टष्ठङ्घ कैमरे चेक किया तो उसमें एक चोर घर में आता हुआ दिखाई दिया सोनू की शिकायत पर कनाड़िया पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है.

युग पुरुष आश्रम के किसी भी बच्चे का वैक्सीनेशन रिकॉर्ड नहीं

खराब पानी की वजह से आश्रम के अधिकांश बच्चों के पेट में कीड़े पाए गए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर पंचकुइयां रोड स्थित श्री युग पुरुष धाम आश्रम में छह बच्चों की मौत का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने एक जांच दल इंदौर भेजा है। जांच टीम की सदस्य डॉ. दिव्या गुप्ता ने कहा कि अब मामला इंदौर का नहीं राज्य और राष्ट्रीय स्तर का हो गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को कितनी गंभीरता से लेना चाहिए इसे लेकर पीएम मोदी हमेशा संवेदनशील रहते हैं। उन्होंने आग्रह किया है कि इस विषय को लेकर आप पूरी तहकीकात करके आएं। जांच कर मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सबमिट की जाएगी। डॉ. दिव्या गुप्ता ने कहा कि आश्रम में जितने भी बच्चे थे किसी का भी वैक्सीनेशन रिकॉर्ड नहीं मिला है। जांच में आश्रम के अधिकांश बच्चों के पेट में कीड़े पाए गए। यह खराब पानी की वजह से हुआ है। इसके चलते कुछ बच्चों में हैजा और कुछ में एनीमिया भी मिला।

आश्रम में हर जगह पाई गई गंदगी

केंद्रीय जांच टीम की सदस्य डॉ. दिव्या गुप्ता ने कहा कि आश्रम के पानी की टंकी, किचन, स्टोर सभी जगह गंदगी पाई गई थी। यहां तक कि आश्रम के फ्रिज में भी गंदगी पाई गई थी। उन्होंने कहा कि आश्रम में लापरवाही और अनियमितताएं मिली हैं। अधिकारियों ने भी निरीक्षण नहीं किया, जिसके कारण ऐसी स्थिति बनी। डॉ. दिव्या गुप्ता ने बताया कि कि बच्चों के पेट में कीड़े (वर्म्स) का पता स्टूल की जांच से चला। दरअसल यह स्थिति आश्रम में खराब पानी के कारण हुई है। कितने बच्चों के पेट में कीड़े, कितनों में एनीमिया (खून की कमी) और कितने बच्चों को हैजा हुआ, इसकी डिटेल्स रिपोर्ट अस्पताल को उपलब्ध कराने को कहा गया है।

केंद्रीय टीम ने बीमार बच्चों से की बात

प्रधानमंत्री ऑफिस के निर्देश के बाद केंद्रीय जांच टीम इंदौर में ही है। रविवार शाम को टीम चाचा नेहरू अस्पताल पहुंची थी। टीम के सदस्यों ने यहां एडमिट बच्चों के हालात जाने। इसके साथ ही जिन बच्चों को डिस्चार्ज किया गया है उनकी भी हिस्ट्री जानी। टीम ने यहां डॉक्टरों से प्रत्येक बच्चे की जानकारी ली। साथ ही बच्चों से उनके स्वास्थ्य, आश्रम में खान-पान सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में पूछताछ की। आश्रम में खराब पानी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रविवार को फिर युग पुरुष आश्रम के दो बच्चों को तबीयत खराब होने के कारण चाचा नेहरू अस्पताल में एडमिट करना पड़ा। अब तक 89 बच्चों को एडमिट किया जा चुका है। रविवार को 18 बच्चों को डिस्चार्ज किया गया। इनके समेत अब तक 65 बच्चों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। 24 बच्चों का इलाज चल रहा है। इनमें से कुछ आईसीयू में भर्ती हैं।

कांग्रेस नेता के भाजपा पर दिए बयान पर सिंधिया ने साधा निशाना

राहुल अहंकारी, जमीन पर जाकर पहचानें वास्तवकिता

सिटी चीफ भोपाल।
राहुल गांधी के अयोध्या को लेकर दिए बयान पर मध्य प्रदेश में सियासत गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल को अहंकारी कहते हुए कहा कि इनको जमीन पर जाकर वास्तिकता पहचाना चाहिए।

राहुल गांधी के भाजपा पर हमले पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कहा कि कांग्रेस का 13 राज्यों में खाता ही नहीं खुला। जहां उसकी भाजपा से सीधी लड़ाई थी। हर बार हार का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में असहिष्णुता का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सनातन धर्म को गालियां दे रहे हैं। जनता ने तीन बार विपक्ष में बैठा दिया। सिंधिया ने कहा कि भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को मिली कुल सीटों से अधिक सीटें जीतीं। जहां 2024 के चुनावों में भाजपा ने 240 सीटें जीतीं, वहीं कांग्रेस ने अपनी सीटों में सुधार किया, लेकिन तीन अंकों के आंकड़े से थोड़ा कम यानी 99 पर सिमट गई। सिंधिया ने कहा कि फिर भी इनका अहंकार देखा। उन्होंने बिना राहुल गांधी के नाम लिए कहा कि उनको जमीन पर जाकर असलियत का पता लगाना चाहिए। इसके बाद ही कोई बयान देना चाहिए।

यह कहा था राहुल गांधी ने
राहुल गांधी ने अपने अहमदाबाद दौरे के दौरान शनिवार को बयान दिया था कि इंडिया गठबंधन ने फैजाबाद लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के राम मंदिर आंदोलन को समाप्त कर दिया है। जिसे लालकृष्ण

आणवानी ने शुरू किया था। अयोध्या शहर भी फैजाबाद लोकसभा सीट का हिस्सा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि हम अयोध्या नहीं हारे हैं, फैजाबाद हारे हैं। हम अयोध्या जीते हैं और डंके की चोट पर जीते हैं। अयोध्या नाम से लोकसभा की कोई सीट नहीं है। यह नैरेटिव बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

राम जन्म भूमि आंदोलन को कुचल नही पाए
भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने राम जन्म भूमि आंदोलन को कुचलने की कोशिश की, लेकिन कुचल नहीं पाए। 6 दिसंबर को हम भी गए थे, हमने बाबरी ढांचा तोड़ा। तुम्हारे पिताजी के पास 400 थे, राम जी से टकराए तो जीरो हो गए। 99 के फेर का मुगालता जल्द दूर करेंगे। शर्मा ने कहा कि जो राम का विरोध करता है। हिंदूस्तान की जनता उसका विरोध करती है।

सरकारी कर्मचारियों को चौबीसों घंटे सतर्क रहने की सख्त हिदायत

प्रदेश में दो दिन मूसलधार बारिश का अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में मॉनसूनी बरसात को लेकर मौसम विभाग का बड़ा अपडेट सामने आया है। मौसम विभाग ने 10 जुलाई तक भारी बारिश पर अलर्ट जारी किया है। एमपी की राजधानी भोपाल, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल सागर, ग्वालियर आदि में बारिश का दौर अगले दो दिनों तक जारी रहने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद मोहन यादव सरकार भी अलर्ट मोड पर आ गई है। सरकारी कर्मचारियों को चौबीसों घंटे सतर्क रहने की सख्त हिदायत दी गई है। मॉनसूनी बरसात होने के साथ ही लोगों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव से लेकर सड़कों पर बरसाती पानी के जमने से लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ने के बाद लोगों से सतर्क रहने

की अपील की जा रही है।

बढ़ेगा नदियों का जलस्तर
मौसम विभाग के पूवार्नुमान की बात मानें तो मध्य प्रदेश में एक स्ट्रांग सिस्टम की मौजूदगी दर्ज की गई है। ऐसे में प्रदेशभर में बारिश का दौर जारी रहेगा। बारिश होने की वजह से नदियों का जलस्तर भी बढ़ेगा। भोपाल, अशोकनगर, सीधी, मुरैना, सतना, मंदसौर, गुना, शिवपुरी, भिंड, जबलपुर, शहडोल, चंबल आदि में तेज बारिश पर अलर्ट जारी किया गया है, जबकि उज्जैन और इंदौर में हल्की बारिश का पूवार्नुमान है। प्रदेश में मॉनसूनी बरसात ने लोगों एक तरफ राहत की दी तो दूसरी ओर लोगों को कई दुश्वारियों का भी सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग की बात मानें तो एक स्ट्रांग सिस्टम के एक्टिव होने की वजह से अगले दो दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। बारिश पर कुछ जिलों में ऑरेंज जबकि कुछ जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

बारिश के बाद बढ़ेगा नदियां का जलस्तर
मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर लगातार जारी रहेगा। बारिश की वजह से नदियों का जलस्तर बढ़ने की भी आशंका बनी हुई है। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद मोहन यादव सरकार भी सतर्क हो गई है। लोगों से अपील की जा रही है कि नदियों के आसपास जाने से बचें। इसके अलावा, तटीय इलाकों के पास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सख्त हिदायत भी दी गई है।

विवाद के बीच आज ओवैसी की पार्टी की बड़ी बैठक

एआईएमआईएम ने निष्कासित किए प्रभारी और महासचिव

सिटी चीफ भोपाल।
तेलंगाना के बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम मध्य प्रदेश में जितने कदम आगे नहीं बढ़ पाती, उससे दोगुना पीछे सरक जाती है। प्रदेश में पार्टी की आमद से लेकर अब तक बने हालात में एक बिखराव फिर जुड़ा दिखाई दे रहा है। प्रदेश कोर कमेटी ने राजधानी के प्रभारी और महासचिव को पदमुक्त करने की चिट्ठी जारी कर है। इसे लेकर आरोप लगाया गया है कि यह दोनों पदाधिकारी बिना अधिकृत दायित्व के मीडिया में सक्रिय हैं।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की कोर कमेटी के एडवोकेट सोहैल हाशमी ने जारी किए नोटिस में राजधानी भोपाल के प्रभारी काजी सैयद अनस अली नदवी और महासचिव तौकीर निजामी को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इन दोनों पर आरोप लगाया गया है कि यह बिना अधिकार के मीडिया डिबेट और पार्टी के लिए बयान जारी कर रहे हैं। हालांकि, कोर कमेटी के इस निर्णय को लेकर न तो मजलिस मुख्यालय से कोई पुष्टि की गई है और न ही प्रदेश

प्रभारी सैयद मिन्हाज उद्दीन कोई स्पष्टीकरण देने को तैयार हैं।

शुरू से ही पार्टी में रहा बिखराव
असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम का मप्र में सफर शुरू से ही बिखराव का रहा है। इंदौर और भोपाल के पदाधिकारियों में बनी रहने वाली खींचतान ने पार्टी को प्रदेश में पैर जमाने की बजाए हमेशा नुकसान के हालात ही बनाए हैं। यही वजह है कि करीब 29 मुस्लिम बहुल विधानसभा वाले प्रदेश में महज आधा दर्जन पार्षद ही पार्टी के हिस्से में हैं।

अब जुड़ाव के बहाने बिखराव
एआईएमआईएम में जारी ताजा घमासान के बीच 9 जुलाई को राजधानी भोपाल में एक प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में सांसद असदुद्दीन ओवैसी की जीत का जश्न मनाने और उनका वेलकम प्रोग्राम करने पर चर्चा की जाएगी। साथ ही कोर कमेटी द्वारा किए गए निष्कासन को लेकर निंदा प्रस्ताव भी इस बैठक में लाया जाएगा। बैठक में प्रदेश के सभी एआईएमआईएम सदस्यों को अनिवार्य रूप से शामिल होने के लिए कहा गया है।

एक नई नियुक्ति भी
पार्टी में जारी उथल पुथल के बीच एडवोकेट सोहैल हाशमी ने खरगोन की पार्षद अरुणा उपाध्याय को कोर कमेटी का सदस्य मनोनीत किया गया है।

अक्टूबर 2022 में टैंकर भरते समय विस्फोट के साथ भड़की आग में चार लोगों की हुई थी मौत

बीपीसीएल डिपो अग्निकांड में डेढ़ साल बाद डिपो प्रबंधक सहित तीन पर केस

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। खजूरी सड़क थाना पुलिस ने भौंरी बकानिया स्थित भारत पेट्रोलियम कॉपोर्रेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) डिपो में हुए भीषण अग्निकांड में डेढ़ साल बाद डिपो प्रबंधक सहित तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। टैंकर भरते समय हुए उस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद से मामले की जांच की जा रही थी। जांच में मिले साक्ष्यों में डिपो के अधिकारियों की लापरवाही की पुष्टि होने के बाद पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर लिया

गया। खजूरी सड़क थाना पुलिस के मुताबिक 21 अक्टूबर 2022 की शाम को भौंरी बकानिया स्थित बीपीसीएल डिपो में एक टैंकर में पेट्रोलियम पदार्थ भरा जा रहा था। इस दौरान अचानक आग भड़क गई थी। आग की चपेट में आकर सलमान खान, शानू अली, विनोद मालवीय और छोटेलाल बुरी तरह से झुलस गए थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान चारों की मौत हो गई थी। उसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी। हाल ही में इस दुर्घटना को लेकर पेसो (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) की रिपोर्ट भी आ गई। उसमें पुष्टि हुई कि हादसा डिपो में कार्यरत अफसरों की लापरवाही से हुआ था। रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले में डिपो प्रबंधक इकबाल सिंह, सुरक्षा अधिकारी अविनाश सिन्हा, माहेश्वरी इंटरप्राइजेज के मालिक के खिलाफ लापरवाही की धारा 304ए और 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

चाकू की नोक पर छात्रों से महंगे मोबाइल लूटने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। विगत गुरुवार देर रात साकेत नगर स्थित एम्स रोड पर दो छात्रों से कीमती मोबाइल फोन लूटने का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लूटे गए मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। इसके साथ ही वारदात में उपयोग की गई बाइक एवं स्कूटी को भी जब्त कर लिया गया है। बागसेवनिया थाना पुलिस के मुताबिक साकेत नगर में रहने वाला अजेंद्र पटेल एलएनसीटी कालेज में पढ़ता है। गुरुवार रात करीब 12 बजे वह अपने साथ रहने वाले छात्र छजल के साथ चाय पीने एम्स की तरफ जा रहा था। दोनों अनामय अस्पताल के पास पहुंचे थे, तभी बाइक और स्कूटी पर आए चार युवकों ने उनकी स्कूटी रुकवा ली। उसके बाद चाकू दिखाकर धमकाते हुए दोनों छात्रों की तलाशी ली और उनके मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। इस मामले

में पुलिस ने सीसीटीवी से मिले साक्ष्य के आधार पर चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी पहचान ईश्वर नगर निवासी 21 वर्षीय प्रिंस राजपूत, 26 वर्षीय बादल राजपूत, सतलापुर मंडीदीप निवासी 20 वर्षीय विश्वजीत भारती एवं 23 वर्षीय हरसेन अंसारी के रूप में हुई। पुलिस उनसे लूटपाट की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

नर्सिंग कॉलेजों में हुई गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस प्रदेश सरकार पर हमलावर

सारंग के इस्तीफे की मांग को लेकर गधा भेंट करने बंगले पहुंचे कांग्रेसी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल में नर्सिंग घोटाले को लेकर यूथ कांग्रेस ने अलग तरीके का प्रदर्शन किया। गधा लेकर मंत्री विश्वास कारण को भेंट करने पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई।

नर्सिंग कॉलेजों में हुई गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस मध्य प्रदेश सरकार पर लगातार हमलावर है। मामले में जांच को लेकर अलग-अलग तरह से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मामले में मंत्री विश्वास सारंग को कांग्रेस लगातार टारगेट कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि जब नर्सिंग कॉलेज को मान्यता दी गई उसे समय चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग थे। इसलिए इस मामले में सारंग ही पूर्ण जिम्मेदार हैं। रविवार को भोपाल में युवा कांग्रेस द्वारा मप्र में हुए नर्सिंग घोटाले एवं नीट की परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ अनूठा प्रदर्शन किया गया। इसमें युवा कांग्रेसी मंत्री विश्वास सारंग को गधा भेंट करने उनके बंगले पहुंचे। इस दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई।

मेधावी और मेहनती छात्रों के भविष्य से खिलवाड़
प्रदर्शन युवा कांग्रेस ग्रामीण के नेता रोहित राजौरिया के नेतृत्व में किया गया। रोहित राजौरिया ने कहा कि यह सरकार मेधावी और मेहनती छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर मूर्खों को तरजीह दे रही है और पैसे खाकर उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। इसलिए आज हमने मंत्री विश्वास सारंग को गधा भेंट करने पहुंचे थे। हमारी मांग है कि विश्वास सारंग को नैतिकता के आधार पर तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा कांग्रेस नेता लोकेन्द्र शर्मा, प्रशांत पराशर, अंकित दुबे एवं बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस भोपाल के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री सारंग का नाम बार-बार आ रहा सामने
नर्सिंग घोटाले का मुद्दा गरमाते जा रहा है। घोटाले को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन में मंत्री विश्वास सारंग का नाम बार बार उछल कर सामने आ रहा है। बता दें कि मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस ने नर्सिंग घोटाले को लेकर भोपाल में एक अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान यूथ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गधों के साथ विरोध किया। इसे देखकर हर कोई हैरान था। दरअसल यूथ कांग्रेस के नेताओं का कहना था कि जिस तरह नर्सिंग घोटाले में नियमों को ताक पर रखकर कॉलेज को मान्यता दी गई और मंत्री विश्वास सारंग जिस तरह युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे है उन्हें प्रदेश के लिए गधे चाहिए। इसलिए हम उन्हें गधे भेंट करना चाहते है। यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह ने कहा कि, युवाओं को आखिर ये सरकार क्या बनना चाहती है। इसको लेकर यह प्रदर्शन है। महीनों से चल रहे नर्सिंग घोटाले के मुद्दे को लेकर कांग्रेस सदन से लेकर सड़कों तक हंगामा कर चुकी है। 3 जुलाई को जब प्रदेश के इस साल का बजट पेस किया जा रहा था। उस समय भी विपक्ष ने जमकर इस मुद्दे को उठाया था। इससे पहले 2 जुलाई को भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर भी कांग्रेस ने सत्याग्रह का आंदोलन चलाया था।

सम्पादकीय

इंसान ने बना दिया दुनिया का सबसे ऊंचा कूड़ा घर

क्या हम पर्यावरण को लेकर जागरूक हैं... गंभीर हैं...शायद नहीं। यह सवाल इसलिए है क्योंकि माउंट एवरेस्ट पर भी प्रदूषण बढ़ रहा है। शेरपा अपनी टीम के साथ सालों से माउंट एवरेस्ट की चोटी के पास जमे हुए शवों को निकालने और कूड़ा -कचरा साफ करने का काम कर रहे हैं।

क्या हम पर्यावरण को लेकर जागरूक हैं... गंभीर हैं...शायद नहीं। यह सवाल इसलिए है क्योंकि माउंट एवरेस्ट पर भी प्रदूषण बढ़ रहा है। शेरपा अपनी टीम के साथ सालों से माउंट एवरेस्ट की चोटी के पास जमे हुए शवों को निकालने और कूड़ा -कचरा साफ करने का काम कर रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन मनुष्य ने दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर भी कूड़ा-कचरा कर वहां की खूबसुरती को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। इस दौरान वहां भारी मात्रा में कूड़ा-कचरा भरा पड़ा है, जिसे साफ करने में कई साल लगेंगे। वैसे भी इंसानों की फितरत है कि उनके पैर जहां पड़ जाएं, वहां गंदगी फैलते देर नहीं लगती। कुछ ऐसा ही दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के साथ भी देखने को मिला है। माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8848 मीटर है। इसी ऊंचाई को फतह करने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्वतारोही एवरेस्ट पर चढ़ाई करते हैं। लेकिन, अब खबर है कि दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ पर सबसे ऊंचे कैंप में कचरे का ढेर लगा हुआ है। माउंट एवरेस्ट की चोटी के पास सालों से जमे हुए शवों को निकालने और कचरा साफ करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले एक शेरपा के मुताबिक इस कचरे को साफ करने में कई साल लग सकते हैं। नेपाल सरकार द्वारा वित्तपोषित सैनिकों और शेरपाओं की टीम ने इस साल के चढ़ाई के मौसम में एवरेस्ट से 11 टन (24,000 पाउंड) कचरा, चार शव और एक कंकाल हटाया। शेरपाओं की टीम का नेतृत्व करने वाले अंग बाबू शेरपा के मुताबिक साउथ कोल में अभी भी 40-50 टन (88,000-110,000 पाउंड) तक कचरा हो सकता है, जो पर्वतारोहियों के शिखर पर चढ़ने से पहले का आखिरी कैंप है। वहां छोड़ा गया कचरा ज्यादातर पुराने टेंट, कुछ खाद्य पैकेजिंग और गैस कार्ट्रिज, ऑक्सीजन की बोतलें, टेंट पैक और चढ़ाई और टेंट बांधने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रस्सियां थीं। यह कचरा परतों में है और 8,000 मीटर (26,400-फीट) की ऊंचाई पर जम गया है जहां साउथ कोल कैंप स्थित है। 1953 में पहली बार चोटी पर विजय प्राप्त करने के बाद से अब तक हजारों पर्वतारोही इस पर चढ़ चुके हैं और यहां कई लोग अपने पैरों के निशान के अलावा और भी बहुत कुछ छोड़ गए हैं। हाल के वर्षों में नेपाल सरकार ने पर्वतारोहियों से अपना कचरा वापस लाना अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही पर्यावरण के बारे में पर्वतारोहियों के बीच जागरूकता भी बढ़ी है। इसने एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों के पीछे छोड़े गए कचरे की मात्रा को काफी कम कर दिया है। हालांकि, पहले के दशकों में ऐसा नहीं था। ऐसे में एवरेस्ट पर मौजूद कचरा अधिकतर पुराने अभियानों से ही है। शेरपा अंग बाबू के मुताबिक यह कचरा दशकों से माउंट एवरेस्ट पर मौजूद हैं और बर्फ में जमा हुआ है। ऐसे में इस कचरे को इकट्ठा करने और वहां से नीचे लाने में समय काफी ज्यादा लगेगा। टीम में मौजूद शेरपाओं ने उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों से कचरा और शव एकत्र किए, जबकि सैनिकों ने लोकप्रिय वसंत चढ़ाई के मौसम के दौरान हफ्तों तक निचले स्तरों और बेस कैंप क्षेत्र में काम किया, जब मौसम की स्थिति अधिक अनुकूल होती है। अंग बाबू के मुताबिक साउथ कोल क्षेत्र में उनके काम के लिए मौसम एक बड़ी चुनौती थी, जहां ऑक्सीजन का स्तर सामान्य से लगभग एक तिहाई है, हवा जल्दी ही बर्फीले तूफान की स्थिति में बदल सकती है और तापमान गिर सकता है। कचरा हटाने के लिए अच्छे मौसम का इंतजार करना पड़ा। लेकिन उन परिस्थितियों में लंबे समय तक इंतजार करना संभव नहीं है। ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम होने पर लंबे समय तक रुकना मुश्किल होता है। कचरे को खोदना भी एक बड़ा काम है, क्योंकि यह बर्फ के अंदर जम जाता है और ब्लॉकों को तोड़ना आसान नहीं होता। साउथ कोल के पास एक शव को खोदने में दो दिन लग गए, जो बर्फ में गहरी स्थिति में जम गया था। बीच में, टीम को खराब मौसम के कारण निचले शिविरों में वापस जाना पड़ा, और फिर मौसम ठीक होने के बाद फिर से काम शुरू करना पड़ा। एक और शव 8,400 मीटर (27,720 फीट) की ऊंचाई पर था और इसे कैंप 2 तक खींचने में 18 घंटे लगे, जहां एक हेलीकॉप्टर ने इसे उठाया। शवों को पहचान के लिए काठमांडू के त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल ले जाया गया। हर साल सैकड़ों लोग एवरेस्ट पर चढ़ते हैं। बहुत सारे लोग तो शौकिया तौर पर जाने लगे हैं।पैसों की कोई कमी नहीं है। धनी पर्वतारोहियों की संख्या में भी अच्छा खासा इजाफा देखने को मिला है, लेकिन ये लोग वहां पर्यावरण के प्रति बिल्कुल भी सतर्क नहीं हैं। नेशनल ज्योग्राफिक के एक अनुमान के अनुसार, एवरेस्ट पर जाने वाला हर पर्वतारोही लगभग आठ किलोग्राम कचरा पैदा करता है। इनमें फूड कंटेनर, टेंट और खाली ऑक्सीजन टैंक शामिल होते हैं। यह कचरा बर्फीली वादियों में लोग रखकर चले आते हैं।

वर्ल्ड चैंपियन बनने की हमारी गाथाओं ने नई दुनिया रची

वर्ल्ड क्रिकेट को संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में भारत की आवाज सुनी तक नहीं जाती थी। यह माना जाता था कि आईसीसी के बॉस तो हमेशा से अंग्रेज हैं, और वही रहेंगे। इन सब बातों को बदलने और यहां तक पहुंचने में सही मायनों में वर्ल्ड कप चैंपियन बनने की हमारी गाथाओं ने नई दुनिया रची।

कोई शायद सोच भी नहीं सकता कि 70 के दशक तक क्रिकेट को बपौती समझने वाले अंग्रेज हमें यानी भारतीय क्रिकेट टीम को गंभीरता से नहीं लेते थे। वर्ल्ड क्रिकेट को संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में भारत की आवाज सुनी तक नहीं जाती थी। यह माना जाता था कि आईसीसी के बॉस तो हमेशा से अंग्रेज हैं, और वही रहेंगे। इन सब बातों को बदलने और यहां तक पहुंचने में सही मायनों में वर्ल्ड कप चैंपियन बनने की हमारी गाथाओं ने नई दुनिया रची। जो क्रिकेट और बीसीसीआई का रुतबा और खजाना आप अब देख रहे हैं, उसे वर्ल्ड कप की चार जीतों ने एक खास शेप दिया है।

भारत ने जब 1983 में पहली बार लंदन में प्रूडेंशियल वर्ल्ड कप क्रिकेट जीता तो किसी को सपने में भी उम्मीद नहीं थी कि कपिल देव की कप्तानी में गई भारतीय टीम ऐसा कर पाएगी। न तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई को और न ही इस देश को। तभी तो दूरदर्शन ने सेमीफाइनल और फाइनल मैच को टेलीकास्ट करने के अधिकार पहले से हासिल ही नहीं किए थे। तब भारत में वन-डे क्रिकेट को हिकारत से देखा जाता था। बीसीसीआई के पास इतने पैसे भी नहीं होते थे कि खिलाड़ियों को तरीके से विदेशी दौरों पर भेज पाए। विदेशी दौरों में उन्हें अच्छे होटलों में ठहराए और सुविधाएं दे सके। मैच फीस तो इतनी कम थी कि वे इस पैसे में इंग्लैंड में एक दिन खर्च भी करना चाहें तो यह ऊंट के मुंह में जीरे जैसी रकम थी।

भारतीय क्रिकेट टीम जब 1983 का वर्ल्ड कप खेलने इंग्लैंड पहुंची, तब तक हकीकत में भारतीय क्रिकेट टीम की इमेज एक ढीली-ढाली टीम की ही थी। वन-डे क्रिकेट में भारत ने जिस तरह का दयनीय प्रदर्शन 1975 और 1979 में किया था, उसके बाद भारत को लेकर बहुत बेहतर राय बन भी नहीं सकती थी। उस दौर में भारत में क्रिकेट की संरचना नहीं थी। तब तक हॉकी की लोकप्रियता ज्यादा थी। स्टेडियम सुविधाजनक नहीं थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खिलाड़ियों को कोई पैसा नहीं मिलता था। बीसीसीआई के खजाने में धन नहीं होता था। आईसीसी में हमारी बात को इंग्लैंड और आस्ट्रेलियाई बोर्ड के लोग काट दिया करते थे। हालांकि 70 के दशक के आखिर से भारतीय क्रिकेट टीम ने यह दिखाना जरूर शुरू कर दिया था कि वह बदल रही है।

कपिलदेव की अगुवाई में 1983 के वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड पहुंची टीम ने मैच-दर-मैच ये विश्वास पा लिया कि वे चाहें तो कुछ भी कर सकते हैं। फिर ज्यादातर आलराउंडरों की इस टीम ने सेमीफाइनल और फिर फाइनल को जिस तरह से अपनी मुट्ठी में किया तो भारत के क्रिकेट में सबकुछ बदल गया। देश में खेल जबरदस्त तरीके से लोकप्रिय हो गया। हर गली-मोहल्ले में हॉकी की जगह क्रिकेट के बैट-बॉल ने जगह ले ली। हालांकि भारत में तब बाजार दमदार नहीं था लेकिन इस खेल को हाथोंहाथ लेना शुरू कर दिया। बीसीसीआई की आवाज अब आईसीसी में सुनी जाने लगी।

भारत ने जब आईसीसी की बैठक में 1987 का वर्ल्डकप अपने यहां कराने की बात की तो इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया दोनों हैरान हो गए। बहुत ना-नुकर हुई लेकिन जब वेस्टइंडीज, पाकिस्तान ने भारत का साथ दे दिया तो फिर वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत को मिलने के अवसर तो बन गए लेकिन अब भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के खजाने में इतने पैसे भी नहीं थे कि आईसीसी में गारंटी मनी के तौर पर जमा कर सके। तब रिलायंस ने मदद की और वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत आ गई। इसे भारत और पाकिस्तान दोनों ने मिलकर किया। दरअसल इस वर्ल्ड कप की मेजबानी में भारत को फायदा तो नहीं हुआ लेकिन उसने ये दिखा दिया कि वह यह काम बखूबी कर सकता है।

वर्ल्ड कप भारत आया तो बीसीसीआई को अंदाजा हो गया कि क्रिकेट से पैसा भी कैसे कमाया जा सकता है। इसी के बाद बीसीसीआई ने टीवी के प्रसारण अधिकार पाने की अहम लड़ाई दूरदर्शन से लड़ी। एक बार जब प्रसारण अधिकार पर बीसीसीआई का कब्जा हुआ, तब तक 90 के दशक में दुनिया के बाजारवाद ने अपने बड़े ब्रांड्स के साथ भारत में भी दस्तक दे दी थी। बच्चा-बच्चा भारत में क्रिकेट खेल रहा था, क्रिकेट देख रहा था और क्रिकेट जीने लगा था। फिर क्या था बीसीसीआई का खजाना भरने लगा। पैसा आने के साथ क्रिकेटर्स का पैसा बढ़ा। बाजार ने क्रिकेट को हाथों हाथ लिया। क्रिकेटर्स अब कुछ हजार से लाखों कमाने लगे। बाजार अलग उनसे मोटे करार करने लगा।

बीसीसीआई उस हालत में आ गया कि वर्ल्ड क्रिकेट में पैसा पंप करने लगा तो वर्ल्ड क्रिकेट का पॉवर सेंटर बन गया। अब हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर हो रहा था तो क्रिकेटर्स का आत्मविश्वास बढ़ चला था। नब्बे के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट में नंबर वन की गद्दी भी हासिल कर ली। अब आईसीसी में एक भारतीय जगमोहन डालमिया चेयरमैन बनकर बैठ चुका था। वह संस्था जहां एक दशक पहले तक भारत को हिकारत की नजर से देखा जाता था, वहां वो सबसे पॉवरफुल हो चुका था।

अब दूसरा वर्ल्ड कप हमने वर्ष 2007 में टी-20 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में कमोबेश नई-नवेली युवाओं की टीम के साथ जीता। यह जीत भी ऐसी थी कि किसी को विश्वास नहीं हो रहा था। क्योंकि 20-20 क्रिकेट में हमें बच्चा माना जा रहा था लेकिन हमने जिस तरह इसे जीता और चैंपियन बने, उसके बाद तो ऐसा लगा कि क्रिकेट का यह सबसे छोटा फार्मेट भी भारतीय क्रिकेटरों के खून में दौड़ने लगा। इसी जीत ने भारत को वो दिया, जिसने उसे पहले से ज्यादा मालामाल कर दिया यानी इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल शुरू करने का काम। देश में पहली बार कोई ऐसी लीग हो रही थी। जो अलग तरह की थी। टी-20 फारमेट में थी। शहरों पर आधारित फ्रेंचाइजी की टीमों में खेली जाने वाली थी। विश्वास तो किसी को नहीं था लेकिन इसकी टीमों को खरीदने के लिए भारतीय उद्योगपतियों और बड़े व्यवसायियों ने जिस तरह थैली खोली, उसने भारतीय क्रिकेट और क्रिकेटरों को ऐसी मोटी कमाई दी, जो वाकई अभूतपूर्व थी। हालत यह हो गई कि दिग्गज विदेशी क्रिकेटर इसमें खेलने के लिए लालायित होते आए हैं। आईपीएल को होते हुए 15 साल हो चुके हैं और इसने दुनिया की बड़ी स्पोर्ट्स लीग के तौर पर झंडा गाड़ दिया है। इसने भारत में टी-20 क्रिकेट की जड़ें तो मजबूत की ही, इसकी पापुलरिटी को बेइंतिहा बढ़ा दिया। टीवी प्रसारण राइट्स में ये लीग हाथों हाथ मुंह मांगे दामों पर खरीदी जाती है।

अब तीसरे वर्ल्ड कप की बात करते हैं। यह जीत थी भारत में वर्ष 2011 में खेले गए लिमिटेड ओवर्स के वर्ल्ड कप की। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में भारत ने जब इसे फिर जीता तब तक भारतीय क्रिकेट की ताकत का लोहा मैदान और मैदान के बाहर हर कोई मान चुका था। बीसीसीआई की ताकत भी अब जगजाहिर थी। इस जीत ने क्रिकेट को और भी ज्यादा लोकप्रिय बनाया तो पेशेवर बना दिया। अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट से लेकर घरेलू क्रिकेट तक इस खेल का मजबूत ढांचा, सुविधायुक्त स्टेडियमों की पूरी कतार, फिटनेस को लेकर विश्वस्तरीय आला सुविधाएं सबकुछ भारत में आ चुकी थीं। अब हर भारतीय पेरेंट ये चाहता था कि उनका बेटा क्रिकेटर बने। क्योंकि अब क्रिकेट घरेलू क्रिकेट में खेलने वाले को भी भरपूर पैसा देने लगा था। लिहाजा यह तीसरे कप मे विजेता बनने के बाद हमने खुद पर और विश्वास करना सीखा। देश में खेल के बाजार को भी एक दूसरे स्तर पर ला दिया। यह वो दौर था जब आईपीएल की देखादेखी में दूसरे खेलों में भी तमाम स्पोर्ट्स लीग खेली जा रही थीं। देश में खेलों का यह माहौल दूसरे खेलों को भी समृद्ध कर रहा था। अब हम ओलंपिक में भी पदक जीतकर ला रहे थे, जो हमारे लिए किसी अनहोनी थी। यानी क्रिकेट की इस जबरदस्त तरक्की ने देश के दूसरे खेलों को भी एक नया विश्वास देना शुरू किया। इसमें कोई शक नहीं कि देश भी बदल रहा था, ज्यादा संपन्नता की राह पर चल पड़ा था।

अब यह चौथे वर्ल्ड कप की जीत हमें चैंपियनों सरीखी वो दृढ़ता और पेशेवर अंदाज देगी, जिसके लिए आस्ट्रेलिया की टीम जानी जाती रही है। हालांकि पिछले 13 सालों से हम ऐसी जीत का इंतजार कर रहे थे। हम बार बार कप के बहुत करीब पहुंचते थे लेकिन फिसल जाते थे। अब हम सीख गए हैं कि कैसे मुश्किल से मुश्किल हालात में खेल का मुंह मोड़ा जाता है और तस्वीर बदल दी जाती है। मतलब सही मायनों में अब हम चैंपियनों की तरह खेलना सीख गए हैं। हमारे पास जबरदस्त खिलाड़ियों का एक पूल है। प्रतिभाशाली खिलाड़ी लगातार दरवाजा खटखटा रहे हैं। अब आइए बात करते हैं अपनी इस टीम की और इसकी जोरदार जीत के तेवरों की।

जब हम तेवरों की बात करेंगे तो विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्य कुमार यादव, हार्दिक पांड्या जैसे फौलादी खिलाड़ी भी सामने खड़े दिखेंगे, जो कुछ भी कर सकते हैं और जिन्होंने ऐसा करके दिखाया भी है। हालांकि इस टीम की दो सबसे बड़ी धुरी विराट कोहली और रोहित शर्मा थे, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब वो अपना ध्यान क्रिकेट के अन्य फार्मेट में लगाएंगे। यह अच्छा भी है कि उनके सामने टी-20 की नई टीम नए कमांडर के साथ तैयार होती नजर आएगी। रोहित शांत और शालीन हैं तो विराट उनके उलट खासे आक्रामक लेकिन दोनों का जीवट वाला चरित्र हमारे क्रिकेट को समृद्ध करता रहा है। बगैर इन दोनों के बिना वर्ल्ड कप की जीत शायद संभव नहीं थी। हालांकि इस टीम में अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी भी कम गजब के नहीं थे, जिस टीम में इतने कमाल के खिलाड़ी हों, निश्चित तौर पर उनका कप्तान सबकुछ करने में सक्षम होता है। ये सभी निडर युवा हैं। अब तक भी यह माना जाता था कि भारतीय क्रिकेट की मुख्य ताकत टी-20 नहीं बल्कि टेस्ट और वन-डे हैं लेकिन अब यह ख्याल दिल से निकाल देना चाहिए। हम अब तीनों में ताकतवर हैं। रोहित के नेतृत्व में भारत तीनों फॉर्मेट के फाइनल में पहुंचा।

बढ़िया होमवर्क और सावधानीपूर्वक योजना के बगैर ऐसी कोई भी जीत हासिल नहीं की जा सकती।

निराशाजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डा. राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना। राष्ट्र प्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गयी।

राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे,तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका-टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष की गलत बयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें सक्रिय नेता प्रतिपक्ष घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें मैन आफ द मैच घोषित कर दिया। जाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए।

लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है।

वोट बैंक का लालच और फर्जी बाबाओं का जाल

हाथरस में एक सत्संग समारोह में हुआ, दर्दनाक हादसा बताता। दरअसल धार्मिक आयोजन में अव्यवस्था या फर्जी बाबाओं की हेराफेरी तक सीमित नहीं है यह घटनाक्रम। यह हादसा देश के विकास की तस्वीर की हकीकत भी बयान करता है। हाथरस में भगदड़ में मरने वालों में ज्यादातर दलित और गरीब तबके के लोग शामिल हैं। पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं, घरेलू समस्या और रोजगार नहीं मिलने से होने वाली परेशानियों का समाधान फर्जी बाबाओं के जरिए तलाश किया जाता है। सरकारी स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार और लालफीताशाही का दमन देश के पिछड़े तबके लिए कोढ़ में खाज साबित हुआ है। इस हालत ने देश में फर्जी बाबाओं को पनपने का मौका दिया है। ज्यादातर बाबाओं की पृष्ठभूमि भी गरीब तबके की रही है। इसी का फायदा जालसाजी करके बाबाओं ने उठाया है। आम लोगों की दुख-तकलीफ जब शासन-प्रशासन से दूर नहीं हो पाती, तब उन्हें लगता है कि चमत्कारिक ढंग से बाबा इसे दूर कर सकते हैं, क्योंकि स्वयंभू बाबा दैवीय शक्तियों की सिद्धियां प्राप्त करने का दुष्प्रचार करते रहे हैं। ऐसे मिथ्या और कपटी प्रचार से बाबा दुखी लोगों को आकर्षित करने में कामयाब हो जाते हैं। पर्याप्त प्रचार के बाद जब भक्तों की संख्या हजारों में हो जाती है, तब बाबाओं की तरफ कोई निगाह उठा कर भी नहीं देख सकता। भक्तों की फौज के दम पर बाबा हर तरह की गैर कानूनी हरकतें करने से बाज नहीं आते। इस देश में लोगों की हालत की दारुण हालत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2001 में जयराम दास उर्फ रामजी बाबा को पुलिस ने अपनी एक शिष्या सुधा शर्मा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ से पता चला कि बाबा अपने दरबार में आने वाली खास तौर से निस्संतान औरतों को संतान के नाम पर दुष्कर्म करता था। इस बाबा ने सैकड़ों औरतों से दुष्कर्म किया। बाबा के झांसे का शिकार हुई ज्यादातर औरतें ओबीसी वर्ग से थी। पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिलने और घरेलू समस्याओं से जूझती अनपढ़ या कम पढ़ी-लिखी औरतों को गिरफ्तारी के बाद बाबा के कांडों की जानकारी मिल गई। इसके बावजूद अस्पताल में भर्ती बाबा से मिलने के लिए ऐसी औरतों का मेला लग गया। यह स्थिति बताती है कि जागरूकता और आधुनिक तो दूर, सामान्य सुविधाएं भी आम लोगों से काफी दूर हैं। ऐसी ही हालत का फायदा देश में दूसरे बाबा भी उठाते रहे हैं। ऐसा नहीं है कि शासन-प्रशासन को इनकी गैरकानूनी हरकतों और भक्ति की आड़ में लोगों से अपना उल्लू सीधा करने की जानकारी नहीं होती। ज्यादातर मामलों में नेता और अफसर ही इन बाबाओं के समक्ष हाथ जोड़े खड़े होते हैं। ऐसे में किसी की क्या मजाल फजीर्वाड़े और अपराधों की जानकारी होने के बावजूद बाबाओं का कोई कुछ बिगाड़ सके। बाबाओं के पिछलग्गु भक्तों के रैले से सारे नेता सहमे रहते हैं। डर वोट बैंक का होता है। अफसर ऐसे बाबाओं की आपराधिक कुंडली मौजूद होने के बावजूद कार्रवाई करने से कतराते हैं। उन्हें नेताओं का डर लगा रहता है और नेताओं को बाबाओं का, क्योंकि बाबाओं के पास भक्तों के हुजूम के तौर पर उन्हें वोट बैंक नजर आता है। बाबाओं से नाराजगी लेने का मतलब है वोट बैंक को नाराज करना। यही वजह रही हाथरस कांड में 116 लोगों की मौत के बावजूद हरि सरकार उर्फ भोले बाबा का नाम एफआईआर में दर्ज नहीं किया गया। बाबा के सेवादारों के नाम दर्ज किए गए। पुलिस जब तक मजूबर न हो जाए, बाबाओं के कारनामों पर कार्रवाई करने से कतराती रहती है। ऐसे मामलों की फेहरिस्त काफी लंबी है, जब अपराधों की जानकारी होने के बावजूद पुलिस के बाबाओं के खिलाफ कार्रवाई करने में हौसले पस्त हो गए। आसाराम ने अपने धर्म की दुकान गुजरात के अहमदाबाद से शुरू की। धर्म का सहारा लेकर इन्होंने अरबों का साम्राज्य खड़ा किया है। साल 2013 से यह नाबालिग शिष्या से रेप के आरोप में जेल में बंद हैं। इन पर आरोप है कि यह आशीर्वाद देने के नाम पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण और बलात्कार करते थे। हालांकि अब तक इन पर आरोप सिद्ध नहीं हो पाया है। नाबालिग शिष्या से रेप के आरोप में आसाराम जोधपुर जेल में बंद हैं। इसी तरह खुद को देवी बताने वाली सुखविंदर कौर उर्फ राधे मां का विवादों से पुराना नाता रहा है। यह भक्तों की गोद में बैठने तक के पैसे लेती हैं। चार अप्रैल 1965 में पंजाब के जिले गुरदासपुर के दोरंगला गांव में जन्मीं सुखविंदर कौर पति की खराब आर्थिक हालत के चलते मुंबई में दूसरों के घरों में काम करती थीं। महज 10वीं तक पढ़ी राधे मां की 17 साल उम्र में शादी हुई थी। कुछ साल पहले इन्होंने खुद को महंत घोषित कर दिया था। इन पर खुदकुशी के लिए उकसाने जैसे गंभीर मामले चल रहे हैं।

सिरसा के डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम हाल ही में हत्या के मामले में सजा पाए हैं। 15 अगस्त 1967 को राजस्थान के श्रीगंगानगर में जन्मे राम रहीम 1990 में डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख बने। यह खुद को रॉकस्टार बाबा के रूप में प्रस्तुत करते रहे। इन्होंने फिल्मों में भी अभिनय किया है। पत्रकार और सेवादार की हत्या के आरोप में गुरमीत जेल में हैं। रियलिटी शो बिग बॉस में अपनी बेहूदा हरकतों के चलते ओम बाबा सुर्खियों में आए। टाडा आर्म्स एक्ट केस के चलते ओमजी स्वामी पांच साल जेल में सजा काट चुके हैं। साल 1972 में उन्होंने साधु का रूप धारण किया। इन पर चोरी, ठगी जैसे आरोप हैं। टीवी चैनलों पर निर्मल बाबा काफी लोकप्रिय रहे। ये ऊटपटांग उपाय बताकर लोगों की समस्याएं सुलझाने का दावा करते थे। निर्मल बाबा इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके हैं और इन पर आय से अधिक संपत्ति समेत कई मामले दर्ज हैं। निर्मल बाबा कहते हैं कि उनकी संस्था के बैंक खाते में पैसे जमा कराने से दुख दूर होते हैं। मूल रूप से पश्चिम बंगाल के हुगली के रहने वाले असीमानंद का असली नाम नब कुमार है।यह अजमेर दरगाह में 2007 में हुए विस्फोट मामले में आरोपी रहे। स्वामी असीमानंद को अजमेर, हैदराबाद और समझौता एक्सप्रेस विस्फोट मामलों में 19 नवंबर 2010 को उत्तराखंड के हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया था। देश में गरीबी, बेरोजगारी होने और सार्वजनिक सुविधाओं व पर्याप्त शिक्षा का अभाव ऐसे फर्जी बाबाओं की दुकान चलाने के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। सरकारों के पास लोगों की इन समस्याओं का इलाज नहीं है। ऐसे में बाबा बरगला कर लोगों से अपना उल्लू सीधा करते रहे हैं। इनमें भी खास बात यह है कि भगदड़ जैसे हादसों में मरने वाले ज्यादातर गरीब और वंचित तबके के लोग होते हैं। उन्हें लगता है कि बाबा के पास जादू की छड़ी है, जिससे उनकी समस्या का समाधान हो जाएगा।

क्या कल्कि 2898 एडी की सफलता के बाद शादी करने जा रहे प्रभास? अभिनेता की चाची ने दिया यह जवाब

प्रभास तेलुगु इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। वह फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। इस बीच हाल ही में उनकी शादी की चर्चा एक बार से तेज हो गई।

लगातार चल रही चर्चाओं के बीच कृष्णम राजू की पत्नी और प्रभास की चाची श्यामला देवी ने अभिनेता की शादी से जुड़ी ताजा अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। एक इंटरव्यू में बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभास शादी के बंधन में बंधने के बारे में फिलहाल नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, वह अपने करियर में व्यस्त हैं और शादी एक ऐसा चीज है जो सही समय आने पर होती है। अभिनेता प्रभास उम्र में 40 के पार जा चुके हैं और उनके फैंस हर समय यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि वह कब शादी करेंगे। हालांकि, श्यामला देवी के बयान से ऐसा प्रतीत होता है कि अभिनेता अभी सात फेरे लेने के मूड में नहीं हैं। फिलहाल, वह कल्कि 2898 एडी की सफलता के बाद यूरोप में छुट्टियां मना रहे हैं। कल्कि 2898 एडी की बात करें तो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचा रही है। टिकट खिड़की पर फिल्म ने महज 11 दिनों में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। रविवार को फिल्म के कलेक्शन में जबर्दस्त उछाल नजर आया। फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर 41.3 करोड़ रुपये की धांसू कमाई कर डाली। भारत में फिल्म का कुल कारोबार 507 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर भी फिल्म का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है। उत्तरी अमेरिका में फिल्म ने सबसे तेज डेढ़ करोड़ डॉलर की कमाई कर डाली है।

अनंत-राधिका की शादी में संस्कृत में सजेगी सुरों की महफिल, सोनू-शंकर का होगा परफॉर्मेंस!

हॉलीवुड पॉप स्टार जस्टिन बीबर ने हाल ही अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की संगीत सेरिमनी में धमाकेदार परफॉर्म किया और वहां पर मौजूद हर एक का दिल जीत लिया। राधिका और अनंत के संगीत की कई अनदेखी तस्वीरें सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राधिका-अनंत की शादी के दिन भारतीय गायकों द्वारा सजेगी सुरों की महफिल, वो भी लाइव। हिप-हॉप म्यूजिक के बाद अब संस्कृत भाषा में शादी के दिन गाए जाएंगे श्लोक और साथ ही भगवान की भक्ति के गीत भी गाए जाएंगे। राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की शादी की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे उनके फंक्शन से जुड़ी हर एक जानकारी भी सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राधिका-अनंत की शादी के दिन बॉलीवुड के कई मशहूर गायक अपनी मधुर आवाज से महफिल को सजाएंगे। इस सूची में सोनू निगम, हरिहरन, श्रेया घोषाल, कौशिकी चक्रवर्ती और शंकर महादेवन परफॉर्म करेंगे। खास बात यह है कि यह सभी गायक उस दौरान लाइफ परफॉर्मेंस देंगे। भारतीय पार्श्व गायक, संगीत निर्देशक, डबिंग कलाकार सोनू निगम की आवाज का जादू ऐसा है कि जो भी उनका गाना एक बार सुन ले, वह शख्स उनका प्रशंसक जरूर बन जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मिली जानकारी के अनुसार सोनू निगम राधिका-अनंत की शादी में लाइव परफॉर्म करने वाले हैं। इस दौरान सोनू निगम के अलावा हरिहरन, श्रेया घोषाल, कौशिकी चक्रवर्ती और शंकर महादेवन भक्ति से डूबे गीत गाएंगे, जिसमें श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी... ईश्वर भक्ति में सजा गीत सोनू निगम गाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईश्वर भक्ति से सजे इन गीतों के अलावा कई श्लोक हैं, जो संस्कृत में हैं, उन्हें सोनू निगम के अलावा हरिहरन, श्रेया घोषाल, कौशिकी चक्रवर्ती और शंकर महादेवन जैसे गीतकारों द्वारा गाया जाएगा। इन सभी गानों के कंपोजिंग का जिम्मा संगीत निर्देशक अजय-अतुल की जोड़ी पर है। अनंत अंबानी और राधिका की वेडिंग से पहले फंक्शन में ही अंबानी खानदान का जलवा देखने को मिला। संगीत सेरेमनी के वैन्यू से लेकर सजावट तक सब कुछ लग्जिरियस रहा। इस खास मौके पर सभी एक से बढ़कर एक लुक में नजर आए। किसी ने असली सोने से जड़े कपड़े पहने, तो कोई हीरों के हार में नजर आया। अनंत और राधिका के सभी फंक्शन जबरदस्त रहें, जिनमें से संगीत सेरेमनी में हॉलीवुड पॉप स्टार जस्टिन बीबर ने अपने बेहतरीन गानों पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी थी। इस दौरान जस्टिन बीबर ने अपने कई हिट गानों पर जबरदस्त परफॉर्मेंस दी थी। उन्होंने बेबी, लव यॉरसेल्फ, सॉरी और बेबी पीचेस जैसे गानों पर परफॉर्म किया।

जॉन लैंडाउ के निधन पर टाइटैनिक के जैक और रोज ने जताया शोक, निर्माता को दी श्रद्धांजलि

निर्माता जॉन लैंडो के निधन के बाद पूरा हॉलीवुड शोक में डूबा हुआ है। कई दिग्गज हस्तियों ने उनके निधन पर दुख जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। रविवार (7 जुलाई) को टाइटैनिक के कलाकारों ने भी उन्हें याद किया। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने उन्हें याद करते हुए एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, जॉन एक दयालु, बुद्धिमान और सबसे सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति थे, जो किसी भी व्यक्ति या चीज पर सकारात्मक प्रभाव डालने की कोशिश में रहते थे। उनकी विरासत और नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा। मेरी संवेदनाएं उनके पूरे परिवार के साथ हैं। आपकी बहुत याद आएगी। लियोनार्डो डिकैप्रियो के अलावा टाइटैनिक और अवतार द वे ऑफ वॉटर की अभिनेत्री केट विंसलेट ने भी जॉन लैंडो से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, जॉन लैंडौ सबसे दयालु और अच्छे इंसान थे। उनमें करुणा थी। जॉन असाधारण रचनात्मक लोगों की टीमों का समर्थन और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए जाने जाते थे। विंसलेट ने आगे कहा, काम और घर के बीच परिवार के महत्व को समझना उनकी सबसे सबसे बड़ी ताकत थी। वह हमेशा मुस्कुराहट और कृतज्ञता से भरे रहते थे। मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मुझे उनके लिए यह लिखना पड़ रहा है... यकीन नहीं हो रहा कि वह चले गए। केट विंसलेट के मुताबिक वह जॉन लैंडो को 20 साल की उम्र से जानती थीं। साल 1997 में आई टाइटैनिक के निर्माता थे। इस फिल्म से केट को दुनियाभर में लोकप्रियता हासिल हुई। फिल्म टाइटैनिक काफी समय तक दुनिया की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। इसके बाद यह तमगा जॉन लैंडो की ही निर्मित फिल्म अवतार के पास चला गया। साल 2022 में आई जॉन लैंडो द्वारा निर्मित फिल्म अवतार- द वे ऑफ वॉटर में केट ने रोनल की भूमिका निभाई थी।

इंडियन 3' से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देगी 'गेम चेंजर', एस जे सूर्या ने साझा किया महत्वपूर्ण अपडेट

मशहूर फिल्म निर्माता शंकर शनमुगम पिछले कुछ वर्षों से एक साथ तीन फिल्मों पर काम कर रहे हैं। वह 'इंडियन 2', 'इंडियन 3' और गेम चेंजर जैसी फिल्मों पर काम कर रहे हैं। बता दें कि कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 2' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के निर्माता इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। एक इवेंट के दौरान अभिनेता सूर्या ने इन तीनों फिल्मों को लेकर एक दिलचस्प खुलासा भी किया है।

तीनों फिल्मों में नजर आएंगे सूर्या

'इंडियन 2' के एक तेलुगु प्री-रिलीज इवेंट के दौरान, बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता ने खुलासा किया कि वह 'इंडियन 2' और 'इंडियन 3' दोनों ही फिल्मों में नजर आएंगे। हालांकि, 'इंडियन 2' में वह थोड़ी देर के लिए ही दिखेंगे, लेकिन उन्होंने बताया कि 'इंडियन 3' में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

'इंडियन 3' से पहले रिलीज होगी 'गेम चेंजर'

इवेंट के दौरान ही अभिनेता सूर्या ने कहा, 'कृपया 12 जुलाई को इंडियन 2 देखें। इंडियन 2 की सफलता के मौके पर, हम इंडियन 3 का ट्रेलर जारी करेंगे और इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा करेंगे। लेकिन उससे पहले, गेम चेंजर रिलीज होगी।'

अपनी अदाकारी से चौंकाने का किया दावा

अभिनेता एस जे सूर्या ने कहा, 'मैं 'इंडियन 2' में थोड़े समय के लिए दिखाई दिया हूं। फिल्म अच्छी बनी है, लेकिन 'इंडियन 3' और 'गेम चेंजर' में, मैंने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। मैं निश्चित रूप से सभी को चौंका दूंगा।' एक साक्षात्कार में एसजे सूर्या ने खुलासा किया कि गेम चेंजर में अपने प्रदर्शन से शंकर को प्रभावित करने के बाद उन्हें भारतीय फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया गया था।

'गेम चेंजर' की शूटिंग हुई खत्म

बता दें कि फिल्म 'गेम चेंजर' की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। राम चरण अभिनीत इस फिल्म का प्रशंसक बड़ी ही बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता रामचरण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर ये जानकारी दी है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'खेल बदलने वाला है'... गेम चेंजर... उन्होंने आगे लिखा, 'यह खत्म हो गया, सिनेमाघरों में मिलते हैं।'

70 के दशक के मशहूर कॉमेडी किंग थे जगदीप, रोते हुए को भी हंसाने का हुनर रखते थे

ब्लैक एंड व्हाइट पर्दे के दौर के बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन जगदीप को भला कौन भुला सकता है। उनकी अदाकारी के हुनर से तो पूरी दुनिया वाकिफ है। यहां बात हो रही है दिवंगत अभिनेता और मशहूर कॉमेडियन जगदीप की यानी सैयद इश्तियाक अहमद जाफरी की। जिन्हें ज्यादातर लोग जगदीप के नाम से ही पहचानते हैं। आज जगदीप की पुण्यतिथि है। आज भले ही वह हमारे बीच ना हों, लेकिन उनकी फिल्मों और कॉमेडी के जरिए वह हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे। जगदीप का जन्म 29 मार्च 1939 को दतिया में हुआ था। वह अपने जमाने के बेहतरीन भारतीय अभिनेता और हास्य अभिनेता थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने 400 से भी अधिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने साल 1975 में आई फ़िल्म 'शोले' में सूरमा भोपाली का किरदार निभाया था, जो दर्शकों को आज भी बेहद पसंद है। जगदीप ने अपने फिल्मी करियर में कई बेहतरीन किरदार किए। जिनमें से सूरमा भोपाली और फिल्म 'पुराना मंदिर' में मच्छर का किरदार लोगों के जहन में आज भी बसा हुआ है।

विशाल पांडे के माता-पिता ने बिग बॉस से मांगा न्याय, अरमान को घर से बाहर करने की लगाई गुहार

'बिग बॉस ओटीटी 3' में विवादों का सिलसिला शुरू हो चुका है। यह सीजन लगातार चर्चा में बना हुआ है। सोशल मीडिया पर घर के अंदर हो रही गतिविधियों पर जमकर बहस छिड़ी हुई है। मौजूदा समय में विशाल पांडे और अरमान मलिक का विवाद सुर्खियों में बना हुआ है। अरमान के विशाल को थप्पड़ मारने के बाद से ही विशाल के समर्थन में कई सितारे उतर आएं और प्रशंसकों ने भी अरमान की जमकर आलोचना की है। अब विशाल के माता-पिता ने अपने बेटे के लिए न्याय की मांग करते हुए अरमान को घर से बाहर करने की अपील की है। आइए जानते हैं पूरे मामले को

विशाल को अरमान ने मारा थप्पड़

रविवार की रात के एपिसोड में अरमान मलिक ने अपना आपा खो दिया और विशाल को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। यह सब तब हुआ, जब पायल मलिक ने वीकेंड का वार एपिसोड में कृतिका पर विशाल की टिप्पणी का खुलासा किया और आगे कहा कि वह उसके लिए बुरी नीयत रखते हैं।

विशाल के माता-पिता ने मांगा न्याय

बिग बॉस के प्रतिभागी विशाल पांडे के माता-पिता ने एक वीडियो के माध्यम से अपने बेटे के लिए न्याय की मांग की है। उन्होंने अरमान को घर से बाहर करने की भी अपील की है। वीडियो में विशाल के माता-पिता कहते हैं, %प्लीज बिग बॉस मेरा आपसे निवेदन है कि उस इंसान को घर से बाहर निकालो जिसने मेरे बच्चे के ऊपर हाथ उठाया है। हमने बहुत प्यार से पाला है उसे, ये सोचकर हमने उसे नहीं भेजा था कि बिग बॉस में उसके ऊपर कोई हाथ उठाएगा।' वहीं उनके पिता ने अपने बेटे की ओर से स्पष्ट किया है कि विशाल ने जो कहा उसका मतलब उस तरह से नहीं है जैसा माना जा रहा है।

क्या कहा था विशाल ने?

दरअसल, विशाल पांडे ने अरमान मलिक की दूसरी पत्नी कृतिका मलिक को कहा था कि भाभी बिना मेकअप के ज्यादा सुंदर लगती हैं। विशाल ने लवकेश के सामने कृतिका की तारीफ की थी।

देखिए दुनिया भर में मशहूर भारत की निधियां, दूरदर्शन लाया ये अनोखा अनूठा शो

दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके फिल्म निर्माता सतीश पांडे भारतीय दर्शकों के लिए एक नया आकर्षक शो लेकर आए हैं, जो भारत के विभिन्न रायों और क्षेत्रों से भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त उत्पादों को दिखाने पर केंद्रित है। इस शो का नाम अतुल्य भारत की अमूल्य निधियां है। इस शो में देश के विभिन्न हिस्सों से कई विशेषज्ञ, किसान और उत्पादक (जीआई प्रमाणित) शामिल हैं, जो इन अनूठे जीआई-सत्यापित उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा कर रहे हैं। इंडियन आइडल, जी सिनेस्टार्स और खुल जा सिम सिम जैसे लोकप्रिय शो में अपनी मेजबानी के लिए जाने जाने वाले अनुभवी भारतीय अभिनेता अमन वर्मा इस नए शो के होस्ट हैं।

कहां हो रहा शो का प्रसारण

यह शो 6 जुलाई से शुरू हो चुका है। यह शो दर्शकों को भारत की समृद्ध कृषि, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास करेगा इन अमूल्य खजाने को संरक्षित करने के महत्व के बारे में बताता है। इस शो का प्रसारण दूरदर्शन के प्रमुख चैनल डीडी नेशनल पर हर शनिवार सुबह 11 बजे और इसका पुन: प्रसारण शाम चार बजे हो रहा है। अतुल्य भारत की अमूल्य निधियां का उद्देश्य दर्शकों को एक मनोरंजक और ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान कर रहा है।

2004 में की थी भारत सरकार ने पहल

जीआई टैग या भौगोलिक संकेत टैग एक प्रमाणन है, जो किसी उत्पाद को एक विशिष्ट क्षेत्र से उत्पन्न होने और उस मूल के कारण अद्वितीय गुण या प्रतिष्ठा रखने के का प्रमाण देता है। ये टैग विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत और पहचान को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जीआई टैग को बढ़ावा देने की पहल भारत सरकार द्वारा 2004 में शुरू की गई थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे काफी गति मिली है। वाणिय मंत्रालय के पास एक समर्पित विभाग है, जो जीआई-सत्यापित उत्पादों को पंजीकृत और बढ़ावा देता है, जिसमें 500 से अधिक उत्पाद पहले ही प्रमाणित हो चुके हैं।

शो को लेकर क्या बोले सतीश पांडे

सतीश पांडे अपनी व्यावहारिक और प्रभावशाली कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं। वे अपने काम के माध्यम से लगातार महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाते रहे हैं। 'अतुल्य भारत की अमूल्य निधि' के साथ सतीश पांडे का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाना और देश के जीआई-सत्यापित उत्पादों के पीछे मेहनत करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना है। सतीश ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि एक फिल्म निर्माता के रूप में मैं जीआई-टैग किए गए उत्पादों के रूप में भारत की विविधता को प्रदर्शित करने में बहुत गर्व महसूस कर सकता हूं, क्योंकि यह किसी विशेष स्थान से किसी वस्तु को प्रामाणिकता और विकास के कई अवसर प्रदान करता है। भारत सरकार की यह पहल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस शो के माध्यम से, हमारा उद्देश्य इन अनूठे उत्पादों के पीछे की कहानियों को उजागर करना और उन किसानों और कारीगरों की कड़ी मेहनत और समर्पण का सम्मान करना है, जिन्होंने इन उत्पादों को देश के कोने-कोने और विदेशों में पहुंचाया है।

कई विशेषज्ञों के साथ होगी चर्चा

'अतुल्य भारत की अमूल्य निधि' कृषि उपज से लेकर हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्तुओं तक भारत के जीआई-टैग किए गए उत्पादों की विविध और समृद्ध विरासत को दर्शा रही है। प्रत्येक एपिसोड में विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चाएं हो रही है, जो इन वस्तुओं के इतिहास, महत्व और उत्पादन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे हैं। किसान और उत्पादक अपनी व्यक्तिगत कहानियां, चुनौतियां और जीत भी साझा कर रहे हैं, जिससे दर्शकों को उनके जीवन और उनके काम के महत्व की झलक मिल रही है।

दानिश चौधरी समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के नगर अध्यक्ष नियुक्त

दानिश ने कहा : जो ज़िम्मेदारी पार्टी और जिलाध्यक्ष ने उन्हें सौंपी है उस ज़िम्मेदारी का वह पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड का देवबंद के मौहल्ला गुर्जरवाडा निवासी चौधरी दानिश को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चौधरी दानिश के नगर अध्यक्ष नियुक्त होने पर सपा कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से उनका स्वागत करते हुए बधाई दी है। इस मौके पर यूथ बिग्रेड के जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा है। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष दानिश चौधरी ने कहा कि जो

ज़िम्मेदारी पार्टी और जिलाध्यक्ष ने उन्हें सौंपी है उस ज़िम्मेदारी का वह पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

देवबंद के खंड विकास कार्यालय सभागार में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित

सहारनपुर, देवबंद नगर व देहात क्षेत्र की कुल 15 शिकायतों में से मात्र दो शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर। देवबंद, संपूर्ण समाधान दिवस में नगर व देहात क्षेत्र के कुल 15 फरियादियों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी-अपनी शिकायतें दर्ज कराई। जिनमें से केवल दो शिकायतों का ही मौके पर निस्तारण हो सका। देवबंद नगर के खंड विकास कार्यालय सभागार में एडीएम-ई डा. अर्चना द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ताओं ने पूर्ति विभाग, राजस्व, ऊर्जा निगम, नगरपालिका, पुलिस और बीडीओ कार्यालय से संबंधित अपनी अपनी शिकायतें दर्ज कराई। बाबूपुर नगली रोड स्थित श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी कालोनी के लोगों ने एक व्यक्ति पर सडक़ की नाली को पाट कर प्लाट में मिला लेने का आरोप लगाते हुए पानी निकासी

की व्यवस्था सुचारू कराने की मांग रखी। वहीं, साखन खुर्द निवासी कुलदीप कुमार ने पत्र देकर बताया कि गांव के बरसात के पानी की निकासी को बना नाला उसके खेत के पास आकर समाप्त हो जाता है। नाले का पानी उस समेत अन्य खेतों में जमा होने से फसलों को नुकसान होता है। एडीएमई डा. अर्चना द्विवेदी ने जल निकासी सुचारू कराने के लिए तुरंत गांव में टीम रवाना होने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा, सीओ देवबंद अशोक सिसोदिया, तहसीलदार पुष्पांकर देव, बीडीओ आजम अली, पालिका ईओ डा. धीरेंद्र राय आदि मौजूद रहे।

थाना नकुड में ऑपरेशन क्लीन के तहत हुई वाहनों की नीलामी

118 के वाहनों की नीलामी से 7,67,000/- रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में मालो के निस्तारण हेतु चलाये जा रहे ऑपरेशन क्लीन अभियान के अनुपालन में एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक व एसपी देहात सागर जैन के निकट पर्यवेक्षण में उप जिलाधिकारी नकुड़ संगीता राघव की अध्यक्षता में जिलाधिकारी सहारनपुर द्वारा गठित टीम के क्षेत्राधिकारी नकुड़ एस. एन. वैभव पाण्डेय, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी एम.पी. सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक नकुड़, वरिष्ठ उ0नि0 व हेड़ मोहर्रिर की मौजूदगी में माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में थाना नकुड़ परिसर में लम्बे समय से खड़े लावारिस एवं लादावा कुल 118 वाहनों

(11 चार पहिया/01 तीन पहिया/106 दो पहिया) माल जिनकी आरटीओ कार्यालय द्वारा मूल्यांकन धनराशि 4,48,200/- निर्धारित कराकर कार्यक्रम के अनुसार थाना नकुड़ परिसर में नीलामी करायी गयी। जिसमें कुल 74 बोली दाताओं द्वारा नीलामी प्रक्रिया में भाग लिया गया तथा उच्चतम बोली 6,50,000/- रूपये लगायी गयी। जिससे जीएसटी सहित कुल 7,67,000/- रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उच्च बोली दाता नौशाद पुत्र कालू निवासी मौ0 शेखजादगान कस्बा व थाना नानौता जनपद सहारनपुर के हक में नीलामी छोड़ी गयी।

चोरी हुई बाइक करि बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, बाइक चोरी के मामले में मक्सी पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जुलाई 2024 को मक्सी में हार्डवेयर दुकान के सामने एबी रोड किनारे खड़ी बाइक को अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गया था। फरियादी की शिकायत पर प्रकरण पंजीबद्ध कर पुलिस द्वारा विवेचना शुरू की गई। इस दौरान रविवार 7 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली कि बाइक चोरी करने वाले दो आरोपी डावर फेक्ट्री के सामने खड़े हैं। इस

पर पुलिस ने दोनों युवकों को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम अर्जुन पिता पप्पू मालवीय उम्र 20 साल निवासी सिंचाई कालोनी मक्सी और दूसरे ने अपना नाम बसंत पिता पप्पू मालवीय उम्र 21 साल बताया और मक्सी तथा झोंकर से बाइक चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की बाइकें बरामद की गईं। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं, इनके द्वारा पूर्व में भी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया गया है। आरोपियों से अन्य घटना को लेकर भी पूछताछ की जा रही है।

शाजापुर के शिक्षाविद् और साहित्यकार सज्जाद अहमद कुरैशी का आकाशवाणी पर प्रसारण

पूर्व में प्रसारण आकाशवाणी और टीवी चैनल पर हो चुका है प्रसारण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, शहर के शिक्षाविद् और साहित्यकार सज्जाद अहमद कुरैशी की रचनाओं का प्रसारण आकाशवाणी इंदौर से आज सोमवार रात्रि 8.30 होगा। पूर्व में कुरैशी की सामाजिक, शैक्षणिक, साहित्यिक, मतदाता दिवस पर वार्ताओं, आलेख, रचनाओं का प्रसारण आकाशवाणी और टीवी चैनल पर हो चुका है।

जो मन को छुआ करते हैं वही अपने हुआ करते हैं

नगर में धूमधाम से हुआ जैन साध्वियों का प्रवेश

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, गुरु कृपा और गुणानुराग से निर्मलता बढ़ती है। सुख का ताला केवल और केवल संतुष्टता की चाबी से ही खुलता है। समय पर समय देने वाला व्यक्ति समय पर मिल जाए तो समय को अच्छा बनाने में समय नहीं लगता, जो मन को छुआ करते हैं वही अपने हुआ करते हैं। उक्त आशीर्वचन जैन साध्वी डॉ आदर्श ज्योतिश्रीजी मसा ने रविवार को स्थानीय कसेरा बाजार स्थित रत्न पोरवाल धर्मशाला में आयोजित सामाजिक धर्मसभा में प्रदान किए। इसके पूर्व साध्वी मंडल का नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ, जिसका चल समारोह नगर के महूपुरा स्थित श्रीमहावीर स्थानक भवन से प्रारंभ होकर कुम्हार वाड़ा, सोमवारिया बाजार तथा आजाद चौक होते हुए पोरवाल धर्मशाला पहुंचकर धर्मसभा

के रूप में परिवर्तित हुआ। यहां पूज्य महासति मंडल के मंगलाचरण के साथ धर्म सभा की शुरुआत हुई इसके बाद स्वागत भाषण डॉ राजेंद्र ने दिया। स्तवन की प्रस्तुति पूज्य महासती डॉ रजत ज्योति श्रीजी मसा ने दी। इस दौरान साध्वी आत्मज्योति श्रीजी मसा भी पाट पर विराजित रहे। धर्मसभा का संचालन अजित जैन ने किया तथा अंत में आभार चातुर्मास समिति के मंत्री दिलीप जैन ने माना। इस अवसर पर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष महेंद्र कोठारी, उपाध्यक्ष विनोद जैन, सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष राजेंद्र जैन, ओसवाल समाज अध्यक्ष लोकेश जैन बंटी, पोरवाल समाज अध्यक्ष पीयूष जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही शुजालपुर, बेरछा, इंदौर तथा उज्जैन श्री संघ सहित बड़ी संख्या में नगर के सकल जैन समाजजन भी उपस्थित रहे।

विधायक और नगरपालिका अध्यक्ष ने भी लिया आशीर्वाद

सकल जैन समाज के मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने बताया कि नगर में मंगल प्रवेश के पूर्व क्षैत्रीय विधायक अरुण भीमावद, नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन तथा मार्केटिंग सोसायटी अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह गोहिल ने महूपुरा स्थित महावीर स्थानक पहुंचकर पूज्य साध्वी भगवंतों के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही मंगल प्रवेश के चल समारोह में भी शामिल होकर धार्मिक लाभ अर्जित किया।

सालो से हो रही पुल्ल को मांग, कटनी में विकास की राह ताक रहे लोग

जान जोखिम में डालकर नदी पार करने के लिए मजबूर हैं ग्रामीण

सुनील यादव | सिटी चीफ | कटनी, कटनी के बड़वारा तहसील क्षेत्र में भारी बारिश से नदी नाले उफान पर है वही कई गांव ऐसे हैं जहां ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करने के लिए मजबूर होना पड़ है गुड़ा देवरी महानदी घाट में ग्रामीण जान जोखिम में डालकर महानदी को पार करते नजर आए ग्रामीणों का कहना है कि पुल न होने की वजह से बड़वारा कटनी मुख्यालय के लिए लंबा सफर तय करना पड़ता है मजबूरन यहां के ग्रामीण उफनती हुई नदी को पार करते हैं स्कूली छात्र भी अपनी जान की बाजी लगाकर विद्यालय पहुंचते है कई बार नदी के बहाव में मवेशी समेत इंसानों को जान गवानी पड़ी है पुल के निर्माण को लेकर अनेको बार स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं शासन से मांग की गई लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा नगर

निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, आ रही है पालकी, जय जगन्नाथ की, जगन्नाथ के भात, जगत पसारे हाथ, जय जगदीश हरे-हरे, जय जगन्नाथ। ये जयकारे प्रात: से ही नगर में गूंज रहे थे। इन जयकारों के उद्घोष से माहौल भगवान जगन्नाथ की भक्ति से सराबोर नजर आया। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष रविवार को नगर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा का विभिन्न संगठनों, समाजजनों और आमजनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वहीं भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए भी लोग लालायित रहे। नगर के डांसी क्षेत्र में स्थित जगदीश मंदिर से सुबह भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बलदाऊ की प्रतिमाओं को भावसार मोहल्ला स्थित धमर्शाला में लाया गया। यहां पर मां हिंगलाज माता मंदिर में भगवान जगन्नाथ की आरती विधि-विधान से की गई। इसके पश्चात सुबह साढ़े 9 बजे प्रतिमाओं को विशेष रूप से तैयार कराए गए रथ में विराजित कर जयघोष के साथ रथयात्रा की शुरुआत की गई।

मंदिर में मुख्य रूप से विधायक अरुण भीमावद और समाजजनों ने भगवान जगन्नाथ की आरती की। इसके बाद धमर्शाला परिसर से रथयात्रा शुरू की गई, जो नगर के सोमवारिया बाजार, आजाद चौक, छोटा चौक, वजीरपुरा, धानमंडी चौराहा, महूपुरा रपट होते हुए डांसी स्थित जगन्नाथ मंदिर पर पहुंची। रथयात्रा मार्ग पर जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। अनेक भक्तों ने भगवान का पूजन किया और रथ के रस्से को खींचकर पुण्य लाभ लिया। यात्रा के दौरान रथ को रस्से से खींचते हुए भावसार समाज की महिलाएं, पुरुष, बच्चें सहित विभिन्न समाजजन और अन्य भक्त चल रहे थे। सबसे आगे बैंड और ढोल की धून पर समाज की महिलाएं, पुरुष थिरकते हुए चल रहे थे। साढ़े 11 बजे डांसीपुरा स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचने पर यात्रा का समापन कर भगवान को मंदिर में दोबारा विराजित किया गया। रथयात्रा में भावसार समाज के अध्यक्ष एवं श्रीजगदीश मंदिर व्यवस्थापक तुलसीराम भावसार, भावसार समाज उपाध्यक्ष अशोक भावसार, समाज के सचिव डॉ अभय भावसार, कोषाध्यक्ष महेश भावसार, सहसचिव संतोष भावसार, नवयवुक मंडल सचिव संतोष भावसार, यात्रा प्रभारी जितेंद्र बंटी भावसार, यात्रा सहप्रभारी दिनेश भावसार, डॉ दिनेश झाला, संरक्षक मंडल के डॉ जगदीश भावसार, मोहनलाल भावसार, अमृतलाल भावसार, सुखदेव भावसार, पंकज भावसार, धर्मेंद्र भावसार, महिला मंडल अध्यक्ष निशा बराड़े, उपाध्यक्ष सरोज भावसार, सचिव सविता भावसार, कोषाध्यक्ष अलका पांडव, सहसचिव साधना भावसार सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

प्रतीक्षा के पश्चात मिले दर्शन

रथयात्रा को लेकर नगरवासियों का उत्साह भी देखते ही बनता था। रथयात्रा में भगवान के दर्शन के लिए भक्त प्रतिक्षा कर रहे थे। जैसे ही रथयात्रा पहुंची भक्तों की भीड़ भगवान के दर्शन के लिए जमा हो गई। जिन्होंने भगवान के दर्शन कर मंगल कामनाएं की। वहीं जहां-जहां से भी रथयात्रा गुजरी विभिन्न संगठनों ने रथयात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। रथयात्रा को लेकर जिला पुलिस और प्रशासन भी अलर्ट रहा। पूरी रथयात्रा के दौरान पुलिस के जवान व्यवस्था संभाले हुए थे।

कटनी में जगन्नाथ क़े भात क़ो जगत पसारे हाथ क़ो जय जय जगन्नाथ क़े जयकारों से गुंजा शहर

बड़ी संख्या में रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए भक्त

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, भगवान जगन्नाथ स्वामी रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण को निकले। पूरा शहर जय-जय जगन्नाथ के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं के साथ कमेटी के सदस्य, नगर के जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए। नगर की 142वीं रथ यात्रा शाम को जगन्नाथ मंदिर जगन्नाथ चौक से प्रारंभ हुई। इससे पहले कमेटी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने भगवान की 11 सौ दीपों से महाआरती की और उसके बाद रथयात्रा का नगर भ्रमण शुरू हुआ। रथयात्रा मंदिर से शुरू हुई और आजाद चौक, शेर चौक, झंडाबाजार, सराफा बाजार, सुभाष चौक, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर से होते हुए बिलैया तलैया सब्जी मंडी स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर पहुंची। जहां पर भगवान एक सप्ताह तक विश्राम करेंगे और मंदिर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन होगा। रथयात्रा में नगर की भजन मंडली शामिल हुई, जिसमें भजन गाते, नाचते हुए श्रद्धालुओं ने नगर भ्रमण किया। इसके अलावा नगर के महिला मंडल, अखाडों के सदस्य भी करतब दिखाते हुए शामिल हुए। यात्रा में जीवंत व वाहनों पर बनाई गई झांकियां भी आकर्षण का केन्द्र रहीं।

बाल्मीकि मुक्तिधाम में श्रमदान और पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न

अगले रविवार 14 जुलाई को सीताबाबरी मुक्तिधाम में श्रमदान और पौधारोपण किया जाएगा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, ग्लोबल वार्मिंग हो रही है, यह अकेले हमारे देश की समस्या नहीं है, रूस, अमेरिका, यूरोप सभी जगह इसके प्रभाव पड़ रहे हैं। यदि हमने पौधारोपण नहीं किया और जिस तरीके से बेतहाशा जंगल कट रहे हैं, वाकई में हमें सांस लेना दुभर हो जाएगा। शहर के नागरिक गण पौधा रोपण करें और सुरक्षित पौधारोपण करें। इस आशय की बात पूर्व मंत्री एवं विधायक जयंत कुमार मलैया ने वाल्मीकि समाज के शमशान घाट में सफाई अभियान एवं पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कही। जयंत मलैया ने कहा चाहे आप अपने आंगन या छत पर रखें, किसी भी तरीके से पौधरोपण अवश्य करें, तो निश्चित तौर से हमारा आगे का जीवन है वह ज्यादा बेहतर तरीके से हो सकेगा। दमोह विधायक ने कहा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी कहा हैं प्रदेश की जितनी आबादी है उतने ही पौधे पूरे प्रदेश में रोपित किए जाएं। इसी तारतम्य में दमोह में भी इस प्रकार के कार्य किये जा रहे हैं, कल नेहरू उद्यान में पौधारोपण किया, इसके पूर्व जिले के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र के जल स्रोतों की सफाई का अभियान चलाया गया। साथ-साथ पौधरोपण भी किया गया। दमोह में बेलाताल, राजनगर, पुरैना तालाब में साफ सफाई का काम किया। इसी क्रम में आज वाल्मीकि समाज के मुक्तिधाम में सभी ने श्रमदान कर पौधरोपण का कार्य किया। यह कार्य लगातार चलता रहेगा। जयंत मलैया ने बताया अगले रविवार 14 जुलाई को सभी मिलकर सीताबाबरी मुक्तिधाम में श्रमदान भी करेंगे और पौधारोपण भी करेंगे। दमोह विधायक एवं पूर्व मंत्री मलैया ने बाल्मीकि मुक्ति धाम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कदम और गुलमोहर के पौधे रोपित किये। साथ ही जनप्रतिनिधिगण, वाल्मीकि समाज के लोग, विभिन्न समाज के पदाधिकारीगण, स्वयंसेवी संस्थाएं, गणमान्य नागरिकों ने भी पौधारोपण कार्य में अपनी सहभागिता निभाई। पौध रोपण के पूर्व मुक्ति धाम में अपर कलेक्टर मीना मसराम की अगुवाई में श्रमदान कार्य गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मीना मसराम, एसडीएम आर एल बागरी, मनीष तिवारी, मोंटी रैकवार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, सम्मानीय मीडियाजन, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दमोह के पथरिया में हुआ मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन

पथरिया मे मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत 791 जोड़ो का हुआ विवाह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, बेटियों के हाथ पीले करना सरकार की चिंता है और जिम्मेदारी भी है, यह योजना पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुरू की थी, वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 49 हजार रुपए की राशि का चेक दे रही हैं। जो हमारी बेटियों के खाते में सीधे जाएगी। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने पथरिया में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह कार्यक्रम में व्यक्त किये। राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा आज मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया, जिसमें 791 जोड़े पंजीकृत थे उनकी शादी हुई है। सभी प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी, और सभी कार्यकर्ताओं ने अथक प्रयास कर कार्यक्रम को सफल बनाया है, इसके लिए राज्य मंत्री ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कार्यक्रम बहुत अच्छे तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 25 से 30 हजार लोग शामिल हुए। बिना किसी बाधा के कार्यक्रम संपन्न हुआ है। राज्य मंत्री ने सामूहिक विवाह सम्मेलन के सफल आयोजन करने पर सभी अधिकारियों, कर्मचारियों व कार्यकर्ताओं को बधाई दी। दमोह विधायक एवं पूर्व मंत्री जयंत कुमार मलैया ने सभी वर वधुओं को दांपत्य जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा यह सरकार गरीबों की सरकार है, गरीब परिवारो के बेटे बेटियों का विवाह भी भव्यता से कराती है और उपहार भी देती है, सभी वर वधु खूब सफल रहे, स्वस्थ रहें और संतोष के साथ रहे ऐसी मेरी कामना है। इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये और वर वधुओं को सुखी जीवन की शुभकामनाएं दी। कृषि उपज मंडी पथरिया में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलन में 791 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इनमें 34 निकाह भी शामिल है।एक ही परिसर में वर-वधु ने 7 फेरे लिए, गायत्री परिवार ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वर-वधु का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह /निकाह योजना के तहत वधु पक्ष को 49 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया गया। राज्यमंत्री की ओर से वर-वधु के लिए एक टंकी,चार वर्तन, विछिया, एक बैग, वैनिटी बॉक्स भी वितरित किया गया।

अवैध वसूली मामले में हुई कार्रवाई

बड़वाह टीआई समेत 3 आरक्षक सस्पेंड

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ

खरगोन, मध्य प्रदेश के खरगोन से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है, जहां बड़वाह मोरटक्का पुल के दोनों तरफ ट्रक वालों से हो रही अवैध वसूली मामले में टीआई और मोरटक्का चौकी प्रभारी सहित 3 आरक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है। जिसे लेकर खरगोन और खंडवा के एसपी ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद इसमें मुकम्मल कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुल से वाहनों की आवाजाही संबंधी कमिश्नर के आदेश के पालन को लेकर एक्शन प्लान बनाया जा रहा है।

एडिशनल एसपी को सौंपा प्रभार

खंडवा एसपी मनोज राय ने बताया कि अवैध वसूली को मामले में मोरटक्का चौकी प्रभारी शिवराम जाट और आरक्षक अंकित कुमार को निलंबित किया है। जिसकी समग्र जांच का प्रभार एडिशनल एसपी को सौंपा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वाले पुलिस कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आगे एसपी ने बताया कि पुल से वाहनों की आवाजाही में पुलिस की गड़बड़ी पाई जाती है, तो संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। इसका दूसरा पहलू यह है भी है कि एनएचएआई के 20 टन से भारी वाहन जा रहे हैं, लेकिन दूसरे वाहनों पर सख्ती है तो विवाद हो रहा है।आगे उन्होंने कहा कि इंदौर कमिश्नर के आदेश परिपालन को लेकर दोनों जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मीटिंग की जाएगी, जिसमें समस्या का सर्वमान्य समाधान निकाला जाएगा। तय समय-सीमा में भारी वाहनों की आवाजाही को नियमानुसार सुनिश्चित किए जाएंगे। साथ ही इस दौरान आने वाली कठिनाई को दूर करने का प्रयास किया जाएगा और अवैध वसूली पर पूर्णतः रोक लगाया जाएगा। जिसमें खंडवा पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति रहेगी। प्रशासनिक आदेशों का विधिवत परिपालन कराया जाएगा।

डीआईजी ने कही ये बात

वहीं, मामले को लेकर खरगोन डीआईजी अतुल सिंह का कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर बड़वाह थाना प्रभारी निर्मल श्रीवास और दो आरक्षक शैलेंद्र सिंह व प्रधान आरक्षक मुकेश तिरोले को निलंबित किया गया है। पुलिस प्रशासन यदि इस मामले से जुड़े दलालों को हिरासत में लेकर पूछताछ करे, तो अब तक की कमाई का बहुत बड़े हिस्से का पर्दाफाश हो सकता है. जबकि कई स्थानीय युवा दलालों द्वारा जिस तरह पुलिस कर्मचारियों से सेटिंग कर ट्रक चालकों से अवैध तरीके से राशि वसूली है, उसके प्रमाण भी पुलिस को आसानी से उपलब्ध हो सकते है। जिससे भविष्य में पुल से निकलने वाले वाहन चालकों को परेशान नहीं होना पड़ेगा।

सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास खण्ड बटियागढ़ मुख्यालय में सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम संपन्न गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार वितरण किया गया, पंजीकृत किसानों को बीज वितरण किया गया

दमोह, केन्द्र सरकार द्वारा संचालित नीति आयोग के माध्यम से आकांक्षी विकास खण्ड बटियागढ़ में सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास खण्ड बटियागढ़ मुख्यालय में सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधियों में मुख्य अतिथि पं.नरेंद्र व्यास ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विकास खण्ड बटियागढ़ के बच्चो एवं स्वा सहायत समूह की महिलाओं ने स्वागत गीत गाकर अतिथिगणो का स्वागत किया। सम्पूर्णता अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत चार विभाग स्वास्थ्य विभाग, पोषण विभाग, कृषि विभाग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागो की योजनाओं पर जानकारी दी, ताकि आम जनता योजनाओं से लाभान्वित हो सके, सभी विभागो ने अपने तीन माह के कार्य योजना का विवरण दिया जिससे की संबंधित इंडीकैटर्स को 30 सितम्बर 2024 तक संतृप्त किया जा सके। उक्त विभागो द्वारा प्रदर्शनी भी लगायी गयी, जिसका अवलोकन अतिथिगणों द्वारा किया गया। प्रत्येक माह में विकास खण्ड स्तर पर इंडीकैटर्स की समीक्षा की जायेगी। जिससे कि आंकाक्षी विकास खण्ड की श्रेणी से निकल कर विकसित विकास खण्ड की श्रेणी में लाया जा सके। जनपद पंचायत अधिकारी सीईओ बटियागढ़ अश्विनी कुमार सिंह द्वारा सम्पूर्णता अभियान उत्सव पर सरकार की मंशा व्यक्त करते हुए आम जनता को आकांक्षी विकास खण्ड के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। वहीं नरेन्द्र व्यास द्वारा भी प्रधानमंत्री एवं मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री की योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम अंत में पात्र हितग्राहियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत प्रमाण पत्र दिये गये। गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार वितरण किया गया, पंजीकृत किसानों को बीज वितरण किया गया।

गुना के आरोन बस स्टैण्ड को अतिक्रमण से कराया गया मुक्त

कलेक्टर द्वारा भ्रमण के दौरान अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के दिये गये थे निर्देश

गुना

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही सतत् जारी है। कलेक्टर डॉ. सिंह द्वारा समय सीमा बैठक में दिए निर्देशों के पालन में गुना नगर के अंतर्गत आरोन बस स्टैंड का संपूर्ण अतिक्रमण हटाया गयाद्य अतिक्रमण के रूप में 10 से 12 अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा कच्चे एवं पक्की दुकान, गुमठियां रखकर लंबे समय से अतिक्रमण कर रखा था। कलेक्टर द्वारा उक्त बस स्टेण्ड का एम.पी.आर.डी.सी. के माध्यम से सौदर्यीकरण का कार्य करवाया जाना है, जिसके दृष्टिगत उक्त अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान तहसीलदार गुना नगर श्री जी.एस. बैरवा, थाना प्रभारी कोतवाली श्री अनूप भार्गव, सीएमओ नगर पालिका गुना श्री तेजसिंह यादव, राजस्व निरीक्षक श्री के.एन. साहू, एसडीआरएफ की टीम, पुलिस, नगर पालिका एवं राजस्व हमला मौजूद था।

ईमानदारी की मिशाल बने शिक्षक

अपने खाते में आये 30 हजार व्यक्ति को खोज कर दिए

उज्जैन

प्राचीन काल से ही गुरु (वर्तमान के शिक्षक) का स्थान सर्वोपरि रहा है, ओर कहते हैं कि गुरु (शिक्षक) अगर अच्छा मिल जाये तो, उस शिष्य (छात्र) का भविष्य संवर जाता है, ओर गुरु से यदि ईमानदारी की शिक्षा के साथ साथ यदि गुरु के द्वारा ही कोई ईमानदारी का उदाहरण यदि शिष्यों को मिल जाये तो फीर तो शिष्यो को समझने और उसको अपने जीवन मे अपनाने में कोई दिक्कत नही होती है, और यह भी कहाजाता है कि जो गुरु (शिक्षक) केवल कहने से नही अपितु कर्म से ईमानदार होता है, उस गुरु (शिक्षक) का ना केवल शिष्य (छात्र) बल्कि समाज गांव भी हमेशा सम्मान करते हैं ! ओर ऐसी ही कर्तव्य के साथ ईमानदारी की एक मिशाल पेस की है शासकीय माध्यमिक विद्यालय पानवासा के शिक्षक दिलीपकुमार टोप्पो ने, जिनकी पत्नी श्रीमती सरोज टोप्पो (आप भी शिक्षक हैं) के खाते में ! दिनांक 11 जून को 30 हजार रुपये की राशी जमा हो गई शिक्षकों को यह आश्चर्य हुआ किं आखिर राशी आई कहा से उसके बाद उन्होंने इसकी जांच पड़ताल जिसमे शिक्षक के साथ उनकी पत्नी, पुत्र और अपने स्कुल का स्टॉप प्रधानाचार्य श्रीमती जलकुंवर धाकड़, श्रीमतीआरती चावड़ा, स्वतंत्रकुमार चतुर्वेदी, कपिल अहमद, ईश्वरसिंह परमार के सहयोग से सही व्यक्ति की जांच की तो पता चला कि देवास जिले के बागली तहसील के करनावद के जितेंद पाटिदार के द्वारा गलती से एक अंक की गलती होने के कारण उनके खाते में राशी ट्रांसफर कर दी है, उसले बाद शिक्षको ने उक्त व्यक्ति सही से जानकारी निकालकर ओर पुलिश की मदद लेकर (कही गलत व्यक्ति के खाते में राशी न चली जाए) उसको 30 हजार रुपये की राशी लौटाई ! वास्तविकता में आज के समय मे वहुत कम विरले लोग ही ऐसे मिल पाएंगे जिन्होंने वास्तव में ईमानदारी है नही तो ईमानदारी का दिखावा करने वाले तप बहुत मिल जाएंगे पर सच्चे ईमानदार बहुत कम ही प्राप्त होंगे !

भौतिकतावादी पाश्चयत युग मे ईमानदारो की कमी - आज के भौतिकतावादी पाश्चात्य युग मे ईमानदार व्यक्ति बहुत कम ही मिलते हैं, एक ओर आज के समय मे कई मामले सामने आते हैं जहां अपने हाथ से दोनों पार्टी की रजामंदी से उधार दिए हुए पैसे चुकाने में भी कई लोग आनाकानी करते ओर कई स्थानों पर तो उधार पैसे वापस लेन देन के नाम पर विवाद हो जाते हैं किंतु इसके विपरीत शिक्षक दम्पति ने ईमानदारी की मिशाल पेस की है और 11 जून को अपने खाते में आये 30 हजार रुपये की राशि को अपने परिजनों और शिक्षक साथियों के सहयोग से जांच पड़ताल के बाद 19 जून को सम्बन्धित व्यक्ति को वापस कर दिए !

कुल माता चामुंडा मां को दीपक लगाकर जन्मदिन मनाया

झाबुआ

धानक ने अपने पिता जनसंघ ,भाजपा के संस्थापक समाज के वरिष्ठ 99 वर्षीय रामजी धानक का आशीर्वाद लिया, कंचन सामाजिक सेवा संस्थान संपूर्ण भारत भारतीय गौरक्षा वाहिनी भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मध्यप्रदेश संगठन के पदाधिकारियों ने, व अनेक सामाजिक संगठनों ने समाजसेवी जनप्रतिनिधियों परिजन मित्रों के साथ नगर परिषद थांदला में नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी पणदा के नेतृत्व में मंडल उपाध्यक्ष राकेश सोनी महामंत्री सुनील पाण्दा पार्षद धापूबाई वसुनिया गोलु उपाध्यक्ष जगदीश प्रजापत कन्नु मोर्या पूर्व मंडल अध्यक्ष पारस तलेरा पूर्व पार्षद दूलाराम भाभर समाजसेवी सचिन सोलंकी आशीष सोनी विमल छाजेड़ राकेश परिहार व नगर परिषद अधिकारी कर्मचारियों ने गोरक्षा प्रदेश महामंत्री अजा मोर्चे प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पार्षद राजू धानक स्वागत सम्मान कर 55 वें जन्मदिन पर बधाई शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की इस अवसर पर, राजू धानक ने सभी मित्रों का परिवारजन का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए आपका स्नेह आपका आशीर्वाद आपकी दुवाएं आपका सहयोग मेरे लिए शक्ति स्वरूप हमेशा मेरे साथ रहता है आप सभी का वंदन अभिनंदन कोटि-कोटि प्रणाम, फेसबुक इंस्टाग्राम ट्विटर वाट शाप ग्रुपों में व्यक्तिगत मैसेज पर बधाई शुभकामनाएं देने पर आप सभी दिल से बधाई शुभकामनाएं दी, आपका, व, आप सभी का, दिल से आभार व्यक्त करता हूं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं आप व आप सभी स्वस्थ रहें खुश रहें प्रसन्न रहें प्रगति पथ अग्रसर, व जाने अनजाने में मुझसे कोई गलती हो तो मैं क्षमा प्रार्थी हूं

रूस में मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन के मलबे से गोदाम में लगी आग

इंटरनेशनल डेस्कः पश्चिमी रूस के सीमावर्ती क्षेत्र के एक गांव को रविवार को खाली करा लिया गया, क्योंकि वहां मार गिराए गए एक यूक्रेनी ड्रोन के मलबे से पास के गोदाम में आग लगने से विस्फोट हो रहे थे। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने ने दी। सोशल मीडिया फुटेज में वोरोनिश क्षेत्र में काले धुएं का गुबार उठता दिखायी दे रहा था, जबकि लगातार जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई।

गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने कहा कि गिरते मलबे के कारण विस्फोटक वस्तुओं में विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन पोडगोरेंस्की जिले के एक नजदीकी गांव के निवासियों को निकाला गया है। आपातकालीन सेवाओं, सैन्य और सरकारी अधिकारियों के घटनास्थल पर काम करने के कारण सड़कें भी बंद कर दी गई हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने सुबह की प्रेस वार्ता में हमले के बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने बेलगराद क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया है। रूस के क्रास्नोदार प्रांत के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि ड्रोन के मलबे के गिरने से एक तेल डिपो में आग लग गई थी। रूस की आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि रविवार सुबह आग बुझा दी गई। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब यूक्रेन के सैन्य प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बताया था कि कीव के सैनिक यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर चासिव यार के बाहरी इलाके से पीछे हट गए हैं, जो एक महीने तक चले रूसी हमले के कारण मलबे में तब्दील हो गया है।

इंडोनेशिया में सोने की अवैध खदान में भूस्खलन कारण 11 लोगों की मौत व 20 लापता

जकार्ताः इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण सोने की एक अवैध खदान में भूस्खलन होने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। गोरोंटालो प्रांत की खोज एवं बचाव एजेंसी के प्रवक्ता अफीफुद्दीन इलाहुदे ने बताया कि इस प्रांत के दूरस्थ बोन बोलांगो में एक छोटी, पारंपरिक, सोने की खदान में एक गड्ढे में रविवार को करीब 33 ग्रामीण खुदाई कर रहे थे तभी आसपास की पहाड़ियों से कई टन मिट्टी गिरी और वे दब गए।

उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने रविवार को दो घायलों को बचाया और सोमवार तक 11 शव बरामद किए। वे अब भी 20 अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं जो लापता बताए जा रहे हैं। इंडोनेशिया में अवैध खनन कार्य बड़े पैमाने पर होते हैं जो हजारों लोगों को आजीविका उपलब्ध कराते हैं। ये लोग गंभीर चोट लगने या मृत्यु के उच्च जोखिम वाली परिस्थितियों में मजदूरी करते हैं।

अजगर ने निगला महिला को, पास मिले लापता पत्नी के कपड़े और चप्पल

नेशनल डेस्कः इंडोनेशिया में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक 36 साल की महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला अपने बच्चे के लिए दवा लेने गई थी, लेकिन घर वापस नहीं लौटी। महिला के लापता होने के बाद उसकी तलाश शुरू की गई। उसके पति को महिला की चप्पल और कपड़े मिले, जिससे पता चला कि कुछ अनहोनी हुई है। उसी दौरान लोगों की नजर एक विशाल अजगर पर पड़ी। सभी को शक हुआ कि शायद अजगर ने महिला को निगल लिया है। इसके बाद अजगर का पेट खोला गया, जिसमें महिला का शव मिला। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि जंगल में अजगर के आसपास लोगों की भीड़ जमा है। पुलिस ने बताया कि महिला के पति को घर के पास ही उसकी चप्पल और कपड़े मिले थे, जिसके बाद लोगों ने अजगर को देखा और उसका सिर काटकर पेट खोला, तो उसमें महिला का शव मिला। इस घटना ने सभी को हिला कर रख दिया है। लोगों का कहना है कि आमतौर पर अजगर इंसानों पर हमला नहीं करते, लेकिन यह एक महीने में दूसरी घटना है, जब इसी इलाके में एक और महिला को अजगर ने निगल लिया था। इस घटना ने स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी है और प्रशासन से सुरक्षा के कड़े कदम उठाने की मांग की जा रही है।

गर्लफ्रेंड की लाश होटल के कमरे के बैड के नीचे मिली और बॉयफ्रेंड का शव अर्धनग्न हालत में मिला

नेशनल डेस्कः रविवार (7 जुलाई) को छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या करने से पहले कथित तौर पर अपने 26 वर्षीय प्रेमिका की होटल के कमरे में हत्या कर दी। महिला की पहचान वाणी गोयल के रूप में हुई, जो एक होटल के कमरे के अंदर मृत पाई गई थी, युवती की लाश रूम के बैड के नीचे पड़ी मिली। जबकि पुरुष विशाल गर्ग का शव उरकुरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर अर्धनग्न और धड़ से सिर अलग हालत में मिला है। सरस्वती थाना क्षेत्र में रहने वाले वाणी के परिवार वालों ने शनिवार को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने कहा, वाणी गोयल का मोबाइल लोकेशन पड़ोसी महाराष्ट्र के नागपुर में ट्रैक किया गया था, जिसके बाद एक पुलिस टीम वहां पहुंची। पुलिस कर्मियों को उसका मोबाइल फोन मिला, लेकिन वह उसका पता नहीं लगा सका। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि वाणी का शव

रायपुर के जेल रोड इलाके में होटल बेबीलोन इन के एक कमरे के फर्श पर मिला है। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि उसे पीटा गया और गला घोंटकर हत्या कर दी गई, उन्होंने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चलेगा। दस्तावेजों और सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि दोनों ने शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे होटल के अंदर चेक इन किया। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि गर्ग ने आत्महत्या करने से पहले कथित तौर पर महिला की हत्या की। हालांकि, मामले की जांच जारी है।

इलाज के लिए नहीं थे पैसे, गरीब पिता ने 15 दिन की बेटी को जिंदा दफनाया

नेशनल डेस्कः एक दिल दहला देने वाली और चौंकाने वाली घटना सामने आई। पाकिस्तान के थारुशाह शहर में एक व्यक्ति ने अपनी 15 दिन की बेटी को जिंदा दफना दिया।

जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, पिता, जिसकी पहचान तैय्यब के रूप में की गई है, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी के चलते वह अपनी नवजात बेटी की चिकित्सा देखभाल का खर्च उठाने में असमर्थ हो गया था। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तैय्यब ने नवजात को दफनाने से पहले एक बोरे में रखा। तैय्यब के खिलाफ एक औपचारिक मामला दर्ज किया गया है, जिसने पुलिस के सामने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। अधिकारियों ने कहा है कि, अदालत के आदेश के बाद, फोरेंसिक जांच के लिए बच्चे की कब्र खोदी जाएगी, जिसमें पोस्टमॉर्टम प्रक्रियाएं शामिल होंगी।

जम्मू-कश्मीर में दुकान खोलने के लिए जमीन की तलाशने की होड़ में बड़ी कंपनिया

मुरलीधरन से लेकर एम्मार तक कतार में

इंटरनेशनल डेस्कः महान श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन से लेकर दुबई स्थित एमार ग्रुप से लेकर भारत के कंधारी बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड और वेलस्पन ग्रुप तक, जम्मू और कश्मीर को अपने उद्यम स्थापित करने के लिए भूमि आवंटन के लिए कई तरह के खिलाड़ियों से अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में 1.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा, अधिकारियों ने बताया है। 3 जुलाई तक, ऐसे प्रस्तावों को संसाधित करने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा स्थापित सिंगल-विंडो सिस्टम पर 6,909 आवेदन प्राप्त हुए थे। अधिकारियों ने कहा कि जम्मू संभाग में 81,594.87 करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जबकि कश्मीर संभाग के लिए 41,633.09 करोड़ रुपये के प्रस्ताव आए हैं। जम्मू में 1,902 आवेदन कम आए हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह बड़ी औद्योगिक इकाइयों को आकर्षित कर रहा है, जिसके लिए कुल

39,484.94 कनाल (4,935.61 एकड़ के बराबर) भूमि की आवश्यकता है। कठुआ जिले में बहुत सी भूमि की मांग है, क्योंकि यह पड़ोसी पंजाब और हिमाचल प्रदेश से निकटता रखता है। कश्मीर घाटी में 5,007 आवेदन आए हैं, जहां मध्यम और छोटे उद्यमों के लिए प्रस्ताव आए हैं, जहां कुल 29,375.89 कनाल (3,671.98 एकड़) भूमि की आवश्यकता है।

फ्रांसीसी मतदाताओं ने वामपंथी गठबंधन को दिलाई जीत, ले पेन और मैक्रॉन को झटका

इंटरनेशनल डेस्कः रविवार को हुए फ्रांस संसदीय चुनाव के बाद फ्रांस को संभावित राजनीतिक गतिरोध का सामना करना पड़ा, किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला जिसके करके यहां त्रिशंकु संसद बनी, हालांकि सर्वेक्षणकर्ता वामपंथी गठबंधन 198 सीटों के साथ पहले स्थान पर रहा। लेकिन किसी भी समूह को बहुमत नहीं मिला। मतदाताओं ने मरीन ले पेन की राष्ट्रवादी, यूरोसेप्टिक नेशनल रैली (ऋ्र) के लिए एक बड़ा झटका दिया, जिसके बारे में जनमत सर्वेक्षणों ने भविष्यवाणी की थी कि वह दूसरे दौर के मतदान में जीत हासिल करेगी, लेकिन सर्वेक्षणकर्ताओं के अनुमान के अनुसार तीसरे स्थान पर रही। नतीजे मध्यमार्गी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के लिए भी एक झटका था, जिन्होंने पिछले महीने यूरोपीय संसद चुनावों में आरएन के हाथों हार के बाद राजनीतिक परिदृश्य को स्पष्ट करने के लिए आकस्मिक चुनाव का आह्वान किया था। उनका अंत बेहद खंडित संसद के साथ हुआ, जिससे यूरोपीय संघ और विदेशों में फ्रांस की भूमिका कमजोर हो जाएगी और किसी के लिए भी घरेलू एजेंडे को आगे बढ़ाना मुश्किल हो जाएगा। चुनाव से संसद तीन बड़े समूहों में विभाजित हो जाएगी - वामपंथी, मध्यमार्गी और धुर दक्षिणपंथी - जिनके मंच बेहद अलग होंगे और साथ मिलकर काम करने की कोई परंपरा नहीं होगी।

आगे क्या होगा...?

वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन, जो ईंधन और भोजन जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को सीमित करना चाहता है, न्यूनतम वेतन को शुद्ध 1,600 यूरो (. 1,732) प्रति माह तक बढ़ाना चाहता है, सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए वेतन बढ़ाना और संपत्ति कर लगाना चाहता है। कट्टर वामपंथी नेता जीन-ल्यूक मेलेनचॉन ने कहा, लोगों की इच्छा का सख्ती से सम्मान किया जाना चाहिए... राष्ट्रपति को न्यू पॉपुलर फ्रंट को शासन करने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

ऋ्र ने नस्लवाद और यहूदी विरोधी भावना की ऐतिहासिक प्रतिष्ठा को खत्म करने के लिए ले पेन के तहत काम किया है, लेकिन फ्रांसीसी समाज में कई लोग अभी भी इसके फ्रांस-प्रथम रुख और बढ़ती लोकप्रियता को चिंता की नजर से देखते हैं।

जब मतदान अनुमानों की घोषणा की गई तो पेरिस में वाम दलों की सभा में गले मिलने, खुशी की चीखें और राहत के आंसू थे। आधिकारिक नतीजे आने शुरू हो गए हैं, अगर सभी नहीं तो अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे सोमवार की सुबह आने की संभावना है।

किसे कितनी सीटें मिली

मतदान एजेंसियां - जो आम तौर पर सटीक हैं - पूर्वानुमान है कि वामपंथियों को 184-198 सीटें मिलेंगी, मैक्रॉन के मध्यमार्गी गठबंधन को 160-169 और ऋ्र और उसके सहयोगियों को 135-143 सीटें मिलेंगी।

वोट अनुमानों की घोषणा के बाद रविवार को यूरो में आई गिरावट-

व्यापक आर्थिक अनुसंधान निदेशक अनीका गुप्ता ने कहा, हमें बाजार में थोड़ी राहत मिलनी चाहिए... क्योंकि हम चरमपंथी आरएन बहुमत नहीं देख रहे हैं, लेकिन कम से कम 2025 की 2द्वठ्ठह्लद्गह्म् ह्यद्गह्यश्ठ्ठ तक राजनीतिक गतिरोध पैदा होने की संभावना है। प्रधान मंत्री गेब्रियल अटाल ने कहा कि वह सोमवार को अपना इस्तीफा सौंप देंगे लेकिन जब तक जरूरत होगी तब तक वह देखभाल की जिम्मेदारी पर बने रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569